राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार ,05जून-2021 वर्ष-4, अंक -132पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

100 करोड़ रुपये से ज्यादा की सहायता अनुदान के रूप में दी

नई दिल्ली। भारत सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी) ने देश के दूसरे स्वदेशी टीके के लिए न केवल 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की सहायता अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता दी है, बल्कि अपने अधीन फरीदाबाद स्थित ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई) के माध्यम से सभी परीक्षण और अध्ययनों के संचालन के लिए बायोलॉजिकल-ई के साथ भागीदारी की है। डीबीटी के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बताया कि अप्रैल में ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से अनुमति मिलने के बाद तीसरे चरण का परीक्षण शुरू किया गया। इसे देश के 15 अस्पतालों में 1,268 लोगों को दिया जा रहा है जिनकी आयु 18 वर्ष या उससे अधिक है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कोवाक्सिन की तरह एक और स्वदेशी वैक्सीन पर शोध चल रहा था। हैदराबाद स्थित बायोलॉजिकल ई फॉर्मा कंपनी ने भारत सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी) के साथ मिलकर यह टीका तैयार किया है। यह एक आरबीडी प्रोटीन सब-यूनिट वैक्सीन है। डीबीटी के वैज्ञानिकों ने पिछले साल ही वैक्सीन पर शोध शुरू कर दिया था। नवंबर-दिसंबर 2020 में उन्हें इस पर कामयाबी मिली जिसके बाद इसका मानव परीक्षण शुरू किया गया। इस वैक्सीन के उत्पादन के लिए वैज्ञानिकों ने फॉर्मूला बायोलॉजिकल ई कंपनी को उपलब्ध कराया है।

अमेरिका के साथ कनाडा में टीका उतारने की तैयारी में भारत बायोटेक-हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक कंपनी ने अमेरिका के साथ अब कनाडा में भी वैक्सीन ले जाने की तैयारी शुरू कर दी है। कनाडा सरकार से कंपनी ने स्वदेशी कोवाक्सिन के लिए आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति मांगी है। साथ ही यहां वैक्सीन आपूर्ति के लिए ओक्यूजेन कंपनी के साथ करार भी किया है। 55-45 फीसदी कारोबार को लेकर हुए इस समझौते के अनुसार कोवाक्सिन को अमेरिका और कनाडा में आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति मिलने के बाद ओक्यूजेन के साथ आपूर्ति की जाएगी।

पीएम मोदी ने मिल्खा सिंह से की बात, कहा-

जल्द ठीक होकर एथलीटों को करेंगे प्रेरित

नई दिल्ली। जाने-माने दिग्गज धावक मिल्खा सिंह की तबीयत ठीक नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद पूर्व भारतीय धावक मिल्खा सिंह से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। पीएम ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि वह जल्द ही वापस आएंगे और टोक्यो ओलंपिक में भाग लेने वाले एथलीटों को आशीर्वाद देने के साथ-साथ प्रेरित भी करेंगे।

गुरुवार को ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर अस्पताल में किया था भर्ती

फ्लाइंग सिख के नाम से लोगों के दिलों में अपनी पहचान

बनाने वाले धावक मिल्खा सिंह इस वक्त अस्पताल में भर्ती हैं। दरअसल, घटते ऑक्सीजन स्तर को देखते हुए गुरुवार को उन्हें गुरुवार को चंडीगढ़ के पीजीआई अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। अस्पताल द्वारा जारी बयान के मुताबिक, मिल्खा सिंह को दोपहर 3:35 बजे पीजीआईएमईआर के कोविड अस्पताल के आईसीयू में ऑक्सीजन का स्तर गिरने के चलते भर्ती कराया गया था। उन्हें निगरानी में रखा गया है और अब उनकी हालत स्थिर है।

19 मई को हुए थे कोरोना संक्रमित

बता दें कि 19 मई कोरोना कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद मिल्खा सिंह को सोमवार (24 मई) को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके दो दिनों के बाद उनकी पत्नी को भी कोविड-19 जांच में पॉजिटिव आने के बाद उसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस दंपति के बेटे और मशहूर गोल्फर जीव मिल्खा सिंह पिछले शनिवार को दुबई से चंडीगढ़ के आ गए थे जबकि अमेरिका में डॉक्टर उनकी बड़ी बहन मोना मिल्खा सिंह भी कुछ दिन पहले यहां पहुंच चुकी हैं।

मुंबई के पास गैस लीकः

ठाणे के बदलापुर में एक कंपनी से गैस का रिसाव, आसपास के लोगों ने की सांस लेने में तकलीफ की शिकायत

मुंबई। मुंबई के पास ठाणे के बदलापुर में गुरुवार रात एक फैक्टरी में गैस रिसाव होने से लोगों में अफरातफरी मच गई। यह गैस तीन किलोमीटर तक के इलाके में फैल गई। इसके बाद स्थनीय लोगों को सांस लेने में दिक्कत का होने लगी। कइयों ने आंखों में जलन की शिकायत भी की है। नोवल इंटरमीडिया नाम की यह कंपनी बदलापुर के MIDC (इंडस्ट्रियल इलाके) में स्थित है। यहां के शिरगांव आपटेवाडी के 3 किमी से ज्यादा के इलाके में इसका असर देखने को मिला। घटना के कुछ ही घंटे बाद इस रिसाव पर काबू पा लिया गया था। फिलहाल स्थिति सामान्य है। ठाणे नगर निगम ने इस पूरे मामले की जांच का आदेश दे दिया है। कई लोगों को उल्टी की शिकायत भी हुई है। रात 11.24 बजे फायर ब्रिगेड ने रिसाव पर काबू पाया है। स्थिति अब नियंत्रण में है।

जान बचाने के लिए भागते नजर आए लोग

गैस का रिसाव होने की खबर के बाद शुरू में लोगों में भगदड़ मच गई थी। लोग अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों पर भागते नजर आए। वहीं प्रशासन, फायर ब्रिगेड और पुलिस ने लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस ने अनाउंसमैंट कर लोगों को बताया कि गैस ज़हरीला नहीं तब माहौल शांत हुआ।

आदेश की जानबूझकर अवहेलना पर ही अवमानना की कार्रवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालती आदेश का जानबूझकर पालन न करने पर ही अवमानना की कार्रवाई की जा सकती है। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश जल निगम के कुछ कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया रद्द करने से जुड़े मामले में अधिकारियों को जारी कारण बताओ नोटिसों का निपटारा करते हुए की। शीर्ष अदालत लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश जल निगम के चीफ इंजीनियर द्वारा जारी आदेश को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं की सुनवाई कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में उत्तर प्रदेश चीफ इंजीनियर को रिट याचिकाओं पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के 28 नवंबर 2017 के फैसले का पालन करने के लिए कहा था। इसके बाद चीफ इंजीनियर ने 4 दिसंबर 2018 को याचिकाकर्ताओं और अन्य को पुराने स्थान पर ही तैनाती देने का आदेश दिया। लेकिन साथ ही उन्होंने नियुक्ति को अदालत से मिली स्वतंत्रता के तहत बताते हुए किसी भी तरह के बकाये का भुगतान नहीं करने की बात कही थी। चीफ इंजीनियर के इस आदेश को अदालती आदेशों का उल्लंघन बताते हुए अवमानना याचिकाएं दायर की गई थीं। इन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान जस्टिस एएम खानविलकर और जस्टिस बीआर गवई की पीठ ने कहा कि अवमानना क्षेत्राधिकार का प्रयोग करने में प्राथमिक चिंता यह होनी चाहिए कि न्यायालय के निर्णय में दिए निर्देशों का पालन नहीं करने के आरोप को क्या उस पक्ष का अपमानजनक आचरण कहा जा सकता है। पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित आदेशों में याचिकाकर्ताओं को सेवा की निरंतरता और पिछले वेतन के साथ बहाल करने के लिए स्पष्ट निर्देश शामिल नहीं हैं। पीठ ने कहा कि निर्देश में इस्तेमाल की गई अभिव्यक्ति केवल याचिकाकर्ताओं को उन पदों पर काम करने की अनुमति देने के लिए है, जिन पर वे सेवा समाप्ति से पहले कार्य कर रहे थे। साथ ही ये निर्देश उन्हें महीने दर महीने नियमित वेतन का भुगतान करने के लिए थे। ऐसे में समझा जाता है कि यह अदालत के आदेशों की जानबूझकर अवज्ञा का मामला नहीं है। पीठ ने आगे कहा कि यह तय है कि अवमानना कार्यवाही केवल न्यायालय के आदेश की जानबूझकर अवज्ञा पर ही आगे बढ़नी चाहिए।

फंगस खुद को जीवित रखने और प्रसार के लिए बदलता है अपना रंग

नई दिल्ली। देश में कोरोना महामारी के बीच अलग-अलग रंग के फंगस भी मुश्किल खड़ी कर रहे हैं। ब्लैक, व्हाइट और यलो के बाद अब मध्यप्रदेश के जबलपुर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में कोरोना मरीज में क्रीम कलर का फंगस मिलने से चिंता और बढ़ गई है। हालांकि एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया पहले ही कह चुके हैं कि फंगस के रंग को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। वाराणसी के काशी हिंदू विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के न्यूरोलॉजी विभाग के प्रो. विजयनाथ मिश्रा बताते हैं कि फंगस खुद को जीवित रखने और प्रसार के लिए रंग बदलता है। फंगस की गंभीरता उसके रंग से तय नहीं होती है। फंगस के कई प्रकार अलग-अलग तरह के रंग पैदा करते हैं जैसे की गुलाबी, लाल, नारंगी, पीला, हरा और ग्रे समेत अन्य रंग का दिख सकता है। ये रंग सूरज की तेज रोशनी से हल्का भी पड़ सकता है और बारिश से धुल भी सकता है। सामान्य स्थिति में कोई

भी फंगस की अपनी समूह विकसित करने की क्षमता रखता है। एक बार जब इसका समूह पूर्ण रूप से विकसित हो जाए या फिर कोई ऐसी स्थिति आए जब इसको जीवित रहने के लिए पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व न मिलें तो इसका माइसीलियम (प्रजनन संरचना) वाला भाग जीवित रहने और प्रसार के लिए अपने भीतर कुछ बदलाव कर लेता है। इस स्थिति में फंगस को नई कलोनी बनाना छोड़कर कुछ अलग तरह के पदार्थ बनाना शुरू कर देता है और फंगस का बदलता रंग इसी का परिणाम है।

आखिर कैसे रंग बदलता है फंगस...

डॉ. विजयनाथ मिश्रा बताते हैं कि फंगस के भीतर कैरेटीनॉयड्स नामक तत्व होते हैं। ये उसके रंग के लिए जिम्मेदार होता है। कैरेटीनॉयड्स तीन तरह के होते हैं। पहला बीटा कैरोटीन (नारंगी), गामा कैरोटीन (नारंगी-लाल), अल्फा कैरोटीन (नारंगी-पीला) होता है। ये रंग फंगस को तेज धूप के साथ अन्य विपरीत परिस्थितियों में सुरक्षा कवच के रूप में काम करता है। इसी की बदौलत फंगस शरीर में अपना दायरा बढ़ाता है।

बेरंग फंगस धूप में मर जाता है

डॉ. मिश्रा बताते हैं कि फंगस में दिखने वाला रंग उसकी बाहरी दीवार, कोशिका द्रव में जमा होता है। इसलिए कहा जा सकता है कि रंगीन फंगस बिना रंग वाले फंगस की तुलना में कम घातक और आक्रामक होते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि रंग वाले फंगस की बाहरी दीवार मोटी होती है जिसके कारण वे मरते नहीं है। बिना रंग वाले फंगस धूप में मर जाते हैं लेकिन रंगीन फंगस धूप की किरणों से नहीं मरता है।

कोविड से जंग में जुटी भारतीय सेना

वियतनाम और सिंगापुर से लाई 158 मीट्रिक टन ऑक्सीजन

नई दिल्ली। ऑपरेशन 'समुद्र सेतु II' के जरिए भारतीय सेना कोविड-19 के खिलाफ देश की लड़ाई का समर्थन कर रही है। इसके तहत भारतीय नौसेना का समुद्री जहाज आईएनएस ऐरावत वियतनाम और सिंगापुर से लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन, ऑक्सीजन सिलेंडर और वेंटिलेटर सहित महत्वपूर्ण कोरोना राहत खेप के साथ विशाखापत्तनम पहुंचा। भारतीय नौसेना ने इसकी जानकारी दी कि ये जहाज सात क्रायोजेनिक ऑक्सीजन टैंकों में 158 मीट्रिक टन तरल मेडिकल ऑक्सीजन, 2722 ऑक्सीजन सिलेंडर, और वियतनाम और सिंगापुर से 10 वेंटिलेटर सहित अन्य कोरोना राहत सामग्री के साथ विशाखापत्तनम पहुंचा है। नौसेना ने कोरोना के मामलों में वृद्धि को देखते हुए ऑक्सीजन

आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चल रहे राष्ट्रीय मिशन को बढ़ाने के लिए ऑपरेशन समुद्र सेतु- II शुरू किया था। इसी के तहत नौसेना युद्धस्तर पर काम कर रही है और विदेशों से भी मेडिकल ऑक्सीजन लाने का काम जारी है।

मिस्ट्री गर्ल ने भगोड़े को इंडिया लाने के लिए बिछाया जाल? मेहुल चोकसी की पत्नी का सनसनीखेज दावा

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को भारत लाने की कोशिशें जारी हैं। मेहुल चोकसी की पत्नी ने उसके डोमिनिका में पकड़े जाने की घटना और मुसीबत में फंसे पति के साथ हुई इस गड़बड़ी के पीछे एक रहस्यमय महिला की भूमिका की ओर इशारा किया है। मेहुल की पत्नी ने दावा किया है कि मिस्ट्री गर्ल ने चोकसी को भारत लाने के लिए एक जाल बिछाया है। बता दें कि बीते दिनों चोकसी डोमिनिका में अवैध प्रवेश के आरोप में पकड़ा गया था। डोमिनिकाई

अदालत ने मेहुल चोकसी को एंटीगुआ से डोमिनिका में अवैध रूप से प्रवेश करने के आरोपों का सामना करने का आदेश दिया है। इस बीच मेहुल चोकसी की पत्नी प्रीति ने एक सनसनीखेज दावा किया। उसने बताया कि बारबरा नाम की मिस्ट्री गर्ल ने चोकसी को भारत वापस लाने के लिए एक जाल बिछाया है। अगस्त 2020 में एंटीगुआ में हमारे घर के सामने एक आवास किराए पर लेने के बाद उसने हमारे जीवन में प्रवेश किया। उसने ही मेहुल को एंटीगुआ से भगाया। टीओआई की खबर के मुताबिक, प्रीति ने दावा किया कि मेहुल चोकसी को डोमिनिका लाने वाली नाव कोबरा टूर्स चलाती है। उसने कहा कि इस नाव के चालक दल में दो पंजाबी पुरुष थे। उन्होंने कहा कि रविवार 23 मई को मेहुल चोकसी बारबरा के साथ डिनर करने के लिए कार में घर से निकला था। मुझे नहीं पता कि उसका असली नाम क्या है- बारबरा जोसेफ, बारबरा जेसीक या बारबरा सी? वह समय-समय पर हमारे बगल वाले अपार्टमेंट में रुकी। वह हमसे पिछले साल 2 से 7 अगस्त के बीच पहली बार मिली थी। प्रीति ने कहा कि बारबरा ने मेहुल चोकसी से उसे उसके घर से पीक करने को कहा था... कुछ मिनट बाद, आठ से 10 लोग अंदर आए। उसे ले जाया गया। उन्होंने आगे कहा कि मेहुल ने मुझे बताया कि नाव पर भारतीय मूल के दो व्यक्ति थे। उनके नाम गुरजीत और गुरमीत थे। उनमें से एक ने कहा कि वह पंजाबी वीडियो में काम करता है... विवेक नाम का दूसरा आदमी खाना लाता था।

50 फीसदी केंद्रों पर एक हजार रुपये में मिल रही वैक्सीन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जहां निजी क्षेत्र में चल रहे टीकाकरण से जुड़ी व्यवस्था को लेकर नाराजगी व्यक्त की है। वहीं देश के इन निजी अस्पतालों में एक ही तरह के वैक्सीन की अलग-अलग कीमतें भी सामने आई हैं। हर अस्पताल न सिर्फ अपने अनुसार वैक्सीन की कीमत तय कर रहा है बल्कि उस पर सेवा शुल्क इत्यादि भी अपने ही मुताबिक जनता से वसूल रहा है। गंभीर बात यह है कि एक मई से पहले तक इन्हीं अस्पतालों में वैक्सीन लगवाने के लिए सेवा शुल्क केवल 100 रुपये प्रति खुराक देना पड़ता था लेकिन अब यह राशि बढ़कर तीन गुना तक हो गई है। ज्यादातर अस्पतालों में वैक्सीन लगाने के लिए सेवा शुल्क कम से कम 250 से 300 रुपये लिया जा रहा है।

देश एक, वैक्सीन की कीमत अनेक

निजी केंद्र	कीमत प्रति खुराक
255	800-1000
131	1200-1400
21	600-800
20	600 से कम
15	1000-1200
07	1400 से भी अधिक कीमत रुपये में)

कोविन वेबसाइट पर मौजूद देश के 455 प्राइवेट केंद्रों को लेकर जब अमर उजाला ने पड़ताल की तो हकीकत चौंकाने वाली सामने आई। वेबसाइट पर जाकर राज्य और जिला वार जब निजी केंद्रों की सूची निकाली गई तो वहां प्रति खुराक वैक्सीन की कीमत भी लिखी हुई थी। जांच में पता चला कि देश के करीब 50 फीसदी केंद्रों पर कोविशील्ड की एक खुराक कम से कम एक हजार रुपये में दी जा रही है। वहीं 30 फीसदी केंद्रों पर कीमत 1200 से 1400 रुपये के बीच मिली।

ये हैं देश के पांच सबसे महंगे केंद्र

केंद्र का नाम	राज्य	वैक्सीन	(कीमत रुपये में)
ईस्ट वेस्ट मेडिकल सेंटर	दिल्ली	कोविशील्ड	1800
केयर मैक्स अस्पताल	पंजाब	कोवाक्सिन	1500
मातुल्य वूमेन्स अस्पताल	गुजरात	कोवाक्सिन	1500
मेडिकवर अस्पताल	तेलंगाना	कोवाक्सिन	1500
मूलचंद अस्पताल	दिल्ली	कोवाक्सिन	1450

नौ राज्यों के 20 केंद्र पर वैक्सीन सबसे महंगी

इतना ही नहीं दिल्ली, पंजाब, महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु और कर्नाटक सहित नौ राज्यों में 20 निजी केंद्र ऐसे भी मिले जहां पूरे देश की तुलना में सबसे महंगी वैक्सीन दी जा रही है। इसमें शीर्ष पर एक नई दिल्ली स्थित ईस्ट वेस्ट मेडिकल सेंटर है जहां कोविशील्ड की प्रति खुराक 1800 रुपये में दी जा रही है जबकि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया का कहना है कि उनके यहां से निजी अस्पतालों को एक वैक्सीन 600 रुपये प्रति खुराक में दी

जा रही है। इस पर पांच फीसदी जीएसटी शुल्क अलग से है। बहरहाल कोविन वेबसाइट पर मौजूद जानकारी से साफ जाहिर है कि देश के प्राइवेट स्वास्थ्य क्षेत्र में एक ही वैक्सीन की अलग-अलग कीमतें हैं जिन्हें जनता को चुकाना पड़ रहा है क्योंकि राज्य सरकारों के पास वैक्सीन पर्याप्त नहीं हैं।

हर महीने 50 फीसदी केंद्र और 25 फीसदी वैक्सीन राज्य सरकार को दी जा रही है। निजी अस्पतालों के पास केवल 25 फीसदी वैक्सीन आ रही है। ऐसे में अगर देखा जाए तो सरकार के पास 75 फीसदी वैक्सीन है। फिर निजी अस्पतालों के पास ज्यादा वैक्सीन कैसे हो सकती है? सेवा शुल्क और प्रति खुराक कीमत को लेकर सरकार को कुछ तय किया नहीं है। कुछ ऐसे भी अस्पताल हैं जो उसी दाम (650 रुपये) में कोविशील्ड दे रहे हैं जितने में उन्हें सीरम या भारत बायोटेक कंपनी ने दी है। - डॉ. गिरधर ज्ञानी, महानिदेशक, एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सच दिखाने का हक

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि हर पत्रकार राजद्रोह के कानून के तहत सुरक्षा का हकदार है। सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने पत्रकार विनोद दुआ के खिलाफ पिछले साल शिमला में दर्ज राजद्रोह का मामला खारिज करते हुए यह बात कही। विनोद दुआ के खिलाफ यह मामला हिमाचल प्रदेश में एक भाजपा नेता की शिकायत पर दर्ज हुआ था। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में पहले ही उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा रखी थी और पिछले अक्तूबर में सुनवाई पूरी करके फैसला सुरक्षित रख लिया था। सन 1962 का केदारनाथ सिंह केस इस तरह के मामलों में नजीर माना जाता है और सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले में भी इसी को आधार बनाया है। केदारनाथ सिंह केस में सुप्रीम कोर्ट ने राजद्रोह कानून को वैध ठहराया था, लेकिन यह कहा था कि अगर कोई पत्रकार सिर्फ सरकार की आलोचना करे, तो इस आधार पर उसके ऊपर राजद्रोह नहीं कायम किया जा सकता। अगर वह हिंसा के लिए उकसाता है, तभी राजद्रोह का मामला बन सकता है। ऐसे स्पष्ट दिशा-निर्देशों के होते हुए भी पत्रकारों के खिलाफ राजद्रोह के मामले दर्ज होते रहते हैं। राज्य सरकारों की ओर से या उनके प्रोत्साहन से ऐसे मामले बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे ज्यादातर मामले अदालत में टिक नहीं पाते, लेकिन इनका उद्देश्य, जो कि पत्रकारों को डराना या प्रताड़ित करना है, पूरा हो जाता है। इस फैसले केदो दिन पहले सुप्रीम कोर्ट की एक और पीठ ने एक अन्य मामले में राजद्रोह कानून के दुरुपयोग पर सवाल उठाते हुए कहा था कि इस कानून के दायरे पर फिर से सोचे जाने की जरूरत है। वह मामला आंध्र प्रदेश का था, जहां एक राजनेता और एक चैनल के दो पत्रकारों पर राजनेता का भाषण दिखाने के लिए राजद्रोह का केस दर्ज किया गया है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने फिलहाल एफआईआर पर कार्रवाई रोकते हुए काफी तल्ख टिप्पणियां की हैं। सुप्रीम कोर्ट केन्यायाधीश ने व्यंग्य में पूछा कि क्या गंगा नदी में उतराती लाशों की खबर करने वाले चैनलों पर राजद्रोह का मुकदमा दर्ज किया गया है? जाहिर है, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश शायद इस बात से वाकिफ हैं कि राजद्रोह के कानून का दुरुपयोग पत्रकारों को अपना नियमित काम करने से रोकने और प्रताड़ित करने के लिए किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के सामने दो पत्रकारों किशोरचंद्र वांगखेम और कन्हैयालाल शुक्ल की याचिका मौजूद है, जिसमें उन्होंने ब्रिटिश राज के दौर के इस कानून को चुनौती दी है। अगर किसी को किसी पत्रकार से या किसी खबर से कोई शिकायत है, तो लोकतंत्र की परंपराओं केमुताबिक उस स्थिति में कार्रवाई करने के तरीके हैं, लेकिन इन दिनों कुछ ऐसा माहौल बन गया है कि सरकारें या सत्ताधारी पार्टी के लोग सीधे राजद्रोह का मामला कायम कर देते हैं। इस कानून का इतिहास यही बताता है कि इसका दुरुपयोग ही ज्यादा होता आया है। अक्सर पत्रकारों या सामाजिक कार्यकर्ताओं या फिर शांतिपूर्ण आंदोलनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज करके उन्हें परेशान किया जाता है। ताजा मामले यह बता रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट इस मसले की गंभीरता को समझ रहा है। अगर आला अदालत इस कानून की समीक्षा करकेइसके दुरुपयोग को रोकने की पहल करती है, तो यह हमारे लोकतंत्र केलिए बहुत बेहतर होगा।

'आज के ट्वीट

आत्मनिर्भर भारत

कोरोना के इस संकट ने रफ्तार भले कुछ धीमी की है लेकिन आज भी हमारा संकल्प है- आत्मनिर्भर भारत, सशक्त भारत.

-- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

पृथ्वी को प्रदूषण मुक्त बनाने का संकल्प ले

(5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष)/ रमेश सर्राफ

हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिन लोगों को विभिन्न कार्यक्रमों के जरिये प्रकृति को संरक्षित रखने और इससे खिलवाड़ न करने के लिए जागरूक किया जाता हैं। इन कार्यक्रमों के जरिये लोगों को पेड़-पौधे लगाने, पेड़ों को संरक्षित करने, हरे पेड़ न काटने, नदियों को साफ रखने और प्रकृति से खिलवाड़ न करने जैसी चीजों के लिए जागरूक किया जाता है। इस बार हम सबको मिलकर पृथ्वी को प्रदूषण मुक्त बनाने का संकल्प लेकर उस दिशा में काम करना प्रारम्भ करना चाहिये। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। लेकिन विश्व स्तर पर इसके मनाने की शुरुआत 5 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहां 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था। पिछले वर्ष देश की जनता को लॉकडाउन के कारण बहुत सी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। मगर लाकडाउन का वह समय पर्यावरण की दृष्टि से अबतक का सबसे उत्तम समय रहा था। उस दौरान शहरों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी वायु प्रदूषण का स्तर घटकर न्यूनतम स्तर पर आ गया है। देश की सभी नदियों का जल पीने योग्य हो गया था। जो किसी चमत्कार से कम नहीं है। पूरी दुनिया में पिछले वर्ष जैसा पर्यावरण दिवस शायद ही फिर कभी मने। सरकार हर वर्ष नदियों के पानी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अरबों रुपए खर्च करती आ रही है। उसके उपरांत भी नदियों का पानी शुद्ध नहीं हो पाता है। मगर गत वर्ष देश में लंबे समय तक लाकडाउन के चलते बिना कुछ खर्च किए ही नदियों का पानी अपने आप शुद्ध हो गया था। कोलकाता के बाबू घाट में तो उस समय लोगों ने 30 वर्ष बाद डॉल्फिन मछलियों को उछलते हुए देखा था। यह कोलकाता वासियों के लिए किसी आश्चर्य से कम नहीं था। पर्यावरणविदों के मुताबिक जिन नदियों के पानी से स्नान करने पर चर्म रोग होने की संभावनाएं व्यक्त की जाती थी। उन नदियों का पानी शुद्ध हो जाना बहुत बड़ी बात थी। देश की सबसे अधिक प्रदूषित मानी जाने वाली गंगा नदी सबसे शुद्ध जल वाली नदी बन गयी थी। वैज्ञानिकों के अनुसार गंगा का पानी साफ होने की वजह पानी में घुले डिसाल्वड की मात्रा में आई 500 प्रतिशत की कमी थी। गंगा में गिरने वाले सीवर और अन्य प्रदूषण में कमी की वजह से पानी साफ हुआ था। पिछले 25 वर्षों में यमुना नदी की सफाई पर करीबन पांच हजार करोड रुपए खर्च हो चुके थे। फिर भी नदी का पानी साफ नहीं हो पाया था। मगर पिछले साल लाकडाउन के चलते जो काम हजारों करोड़ रुपए खर्च करके 25 साल में सम्भव नहीं हो पाया वह मात्र दो महीने में अपने आप ही हो गया था। कोरोना संकट को लेकर दुनिया के अधिकांश देशों में लाकडाउन के कारण सब कुछ बंद रखना पड़ा था। दुनिया भर में लोग अपने घरों में कैद होकर रह गए थे। भारत में भी लंबे समय तक लाकडाउन चला था। कोरोना की दूसरी लहर के चलते अभी भी देश में अधिकांश स्थानो पर लाकडाउन चल रहा है। लाकडाउन के कारण देश में बहुत से कल कारखाने, औद्योगिक संस्थान, व्यवसायिक गतिविधियां बंद हो गई। लाकडाउन के कारण सभी तरह की गतिविधियां बंद होने से लोगों ने बरसों बाद देश के बड़े शहरों में उन्मुक्त भाव से पशु पक्षियों को विचरण करते देखा है। नेशनल हेल्थ पोर्टल आफ इंडिया के मुताबिक देश में हर साल करीब 70 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण की वजह से हो जाती है। वायु प्रदूषण के चलते लोगों को शुद्ध हवा नहीं मिल पाती है। जिसका हमारे शरीर में फेफड़े, दिल और ब्रेन पर बुरा असर पड़ रहा है। देश में 34 प्रतिशत लोग प्रदूषण की वजह से मरते हैं। मगर लाकडाउन के चलते प्रदूषण कम होने की वजह से देश में होने वाली मौतें भी कम हुई है। वहीं लोगों के बीमार होने की दर में आश्चर्यजनक ढंग से कमी देखने को मिल रही है। देश में लाकडाउन से बदलाव की बढ़ी संभावनायें अब साफ नजर आ रही है। लोग अपनी सेहत को लेकर अब पहले से अधिक सचेत हो गए हैं। हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के लिए एक थीम निर्धारित की जाती है। इसबार की थीम पारिस्थितिकी तंत्र बहाली निर्धारित की गयी है। इस दिन आयोजित होने वाले कार्यक्रम इसी थीम पर आधारित होंगे। पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली पर पेड़-पौधे लगाना, बाग-बगीचों को तैयार कर उनको संरक्षित करना, नदियों की सफाई करना जैसे कई तरीकों से काम किया जा सकता है। हमें अपने मन में संकल्प लेना होगा कि हमें प्रकृति से सदभाव के साथ जुड़ कर रहना है। इस पर्यावरण दिवस पर हम सब इस बारे में सोचें कि हम अपनी धरती को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए और क्या कर सकते हैं। किस तरह इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। पर्यावरण दिवस पर अब सिर्फ पौधारोपण करने से कुछ नहीं होगा। जब तक हम यह सुनिश्चित नहीं कर लेते कि हम उस पौधे के पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करेंगें। देश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण बड़ी मात्रा में कृषि भूमि आबादी की भेंट चढ़ती गई। जिस कारण वहां के पेड़-पौधे काट दिये गये व नदी-नालों को बंद कर बड़े-बड़े भवन बना दिए गए। जिससे वहां रहने वाले पशु-पक्षी अन्यत्र चले गए। लेकिन लाकडाउन ने लोगों को उनके पुराने दिनों की याद दिला दी है। पुराने समय में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिये पेड़ों को देवताओं के समान दर्जा दिया जाता था। ताकि उन्हें कटने से बचाया जा सके। बड़-पीपल जैसे घने छायादार पेड़ों को काटने से रोकने के लिये उनकी देवताओं के रूप में पूजा की जाती रही है। इसी कारण गावों में आज भी लोग बड़ व पीपल का पेड़ नहीं काटते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के दूसरे तरीकों सहित सभी देशों के लोगों को एक साथ लाकर जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और जंगलों के प्रबन्ध को सुधारना है। वास्तविक रूप में पृथ्वी को बचाने के लिये आयोजित इस उत्सव में सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रियता से शामिल करना होगा। तेजी से बढ़ते शहरीकरण व लगातार काटे जा रहे पड़ो के कारण बिगड़ते पर्यावरण संतुलन पर रोक लगानी होगी। इस दिन हमें आमजन को भागीदार बना कर उन्हे इस बात का अहसास करवाना होगा कि बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन का खामियाजा हमे व हमारी आने वाली पीढियों को उठाना पड़ेगा। इसलिये हमें अभी से पर्यावरण को लेकर सतर्क व सजग होने की जरूरत है। हमें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तेजी से काम करना होगा तभी हम बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन को संतुलित कर पायेगें। तभी हमारी आने वाली पीढ़ियां शुद्ध हवा में सांस ले पायेगी।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

ज्ञान गंगा

समाधान क्या है

सद्गुरु

हम पृथ्वी को 'धरती मां' कहते हैं। क्यां इसका मतलब है कि धरती पर सारा अपराध रु क जाएगा? नहीं। अलग-अलग तरह के अपराध होते हैं। स्त्रियों पर यौन हमले बहुत आम हैं। इसके कई पहलू हैं। हम गुस्सें में आकर बोल सकते, 'ठीक है, उन्हें फांसी दे दो।' अगर आप बलात्कार की सजा के तौर पर फांसी को लाएंगे तो आपको समझना चाहिए कि बलात्कार के मामले में एकमात्र गवाह लगभग हमेशा पीड़िता होती है। अगर आप एक बलात्कारी को इस बात की गारंटी दें कि बलात्कार करके पकड़े जाने पर तुम्हें फांसी लगनी तय है, तो आपके ख्याल से वह क्या करेगा? वह उस एकमात्र गवाह को रास्ते से हटा देगा। तो कुछ कहने से पहले हमें सतर्क रहना चाहिए कि हम क्या कह रहे हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि हम उनका समर्थन कर रहे हैं। सवाल बस यह है कि आपको समाधान चाहिए या कंगारू कोर्ट- 'हर किसी को फांसी पर लटका दो।' हमें देखना चाहिए कि यह हो क्यों रहा है। पहली चीज यह है कि एक संस्कृति के रूप में भारत के लिए यह पहली पीढ़ी है, जिसमें स्त्रियां वास्तव में सड़क पर निकल रही हैं, पुरुषों के साथ चल रही हैं और उनके करीब रह कर काम कर रही हैं। लोगों को इसकी आदत नहीं है। साथ ही लाखों युवा गांवों से शहरों में आ रहे हैं। उनके गांव में उनके लिए स्त्री का मतलब उनकी मां, उनकी मौसी, बुआ या दादी होती थी। अब वे शहर आकर युवा लड़कियों को सड़क पर चलते देखते हैं। यह उनके लिए बहुत नया है। इंसानों में सेक्शुअलिटी या यौनिकता होती है। पंद्रह से पच्चीस की उम्र के बीच हार्मोन का असर अधिकतम होता है। अगर कोई व्यक्ति अपने जीवन में खेल, कला, संगीत, शिक्षा जैसी चीजों में बुद्धि के विकास, और खुद को व्यक्त करने के दूसरे तरीकों में अनुशासित होता है, तो खुद को व्यस्त रखने के लिए बहुत सारी चीजें होती हैं। अगर आपको व्यस्त रखने के लिए कुछ नहीं है, सिर्फ आपके हर्मोन आपके भीतर उछल रहे हैं फिर उसके बाद आप अपने गांव से शहर आते हैं और अचानक युवा लड़कियों को देखते हैं। आदमी पागल हो जाता है। अब वह अकेले शहर आता है। एक कमरे में दस लड़कों के साथ रहता है, दिन-रात एक बेकार और अमानवीय माहौल में काम करता है। वह बंदी शिविर की तरह होता है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

बलिदान से उपजा देशभक्ति का अनूठा संकल्प

अरुण नैथानी

चंद महीनों के वैवाहिक जीवन के बाद ही पति की शहादत एक स्त्री के लिये किसी वज्रपात से कम नहीं होती। इस अथाह दुख से उबरने में वर्षों लग जाते हैं लेकिन पुलवामा में आतंकवादियों से मुठभेड़ में शहादत देने वाले मेजर विभूति शंकर ढौंडियाल की पत्नी निकिता कौल ने छह माह बाद ही सेना में शामिल होने के लिये परीक्षा देने का संकल्प लेकर बता दिया कि आज भी भारत वीरांगनाओं की धरती है। इतने बड़े संकट के बाद ऐसा संकल्प लेकर वे आज हर भारतीय के लिये प्रेरणापुंज बनी हुई हैं। पिछले दिनों ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी, चेन्नई से पासआउट होकर निकिता कौल सेना में लेफ्टिनेंट बनी हैं। निकिता का यह कदम जहां पति की शहादत को गरिमा देता है, वहीं राष्ट्रभक्ति के उद्दात मूल्यों को भी दर्शाता है।दरअसल, 18 फरवरी 2019 को विभूति शंकर जैश-ए-मोहम्मद के विदेशी आतंकवादियों से संघर्ष करते हुए चार जवानों के साथ शहीद हो गये थे। इस मुठभेड़ में तीन आतंकवादी भी मारे गये थे, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे बहुचर्चित पुलवामा हमले में शामिल थे। उनके बलिदान के लिये कृतज्ञ राष्ट्र ने उन्हें मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया था। इस शहादत के छह माह बाद निकिता ने शॉर्ट सर्विस कमीशन के लिये परीक्षा दी, इंटरव्यू पास किया। जून 2020 में उनकी ट्रेनिंग शुरू हुई और पति की शहादत के 27 माह बाद वे भारतीय सेना का हिस्सा बनीं। वे कहती हैं कि ग्यारह महीनों की ट्रेनिंग में मैंने जीवन के गहरे अनुभव हासिल किये। साथ ही इस कदम को उठाने में संबल देने वाले परिवार के प्रति भी उन्होंने कृतज्ञता जाहिर की। उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टीनेंट जनरल वाई. के. जोशी ने चेन्नई स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी में निकिता कौल के कंधे पर स्टार लगाये। निकिता के संकल्प को नमन है, जिसने सेना में शामिल होने के लिये अपनी बहुराष्ट्रीय कंपनी की नौकरी छोड़ी। उन्होंने यह कदम पति की स्मृतियों को जीवंत रखने के लिये उठाया। देहरादून में पति के अंतिम संस्कार के समय वह अडिग खड़ी नजर आई और सारी रस्में धैर्य व मजबूती से निभाईं। उनकी अश्रुपूरित विदाई के दौरान सैल्यूट करने का वीडियो सोशल मीडिया में चर्चा का विषय बना था। तब उन्होंने कहा था, 'मुझे आप पर नाज है। सभी आप से प्रेम करते हैं, लेकिन आपने जिस तरह सबसे प्रेम किया, वह सबसे भिन्न है। आपने हमारे व उन लोगों के लिये बलिदान दिया, जिनसे आप कभी मिले भी नहीं हैं। मेरे लिए गर्व की बात है कि आप मेरे पति बने। मैं जीवन की अंतिम सांस तक आपसे प्रेम करूंगी। मेरा जीवन आप से है और हमेशा मेरे साथ रहेंगे।' यह संयोग ही है कि मेजर विभूति शंकर ढौंडियाल भी ओटीए चेन्नई से प्रशिक्षित होकर निकले थे। इस पर निकिता कहना था- मैंने ट्रेनिंग के दौरान अनुभव किया कि मैं उन्हीं सभी पड़ावों व प्रशिक्षण से गुजरी हूं, जिनसे विभूति गुजरे थे। मुझे लगा कि वे हरदम मेरी जीवन यात्रा में साथ रहे। मैं आज भी उन्हें अपने आसपास महसूस कर रही हूं। जैसे वे कह रहे हों कि निकिता तुमने गहरे अहसासों को हकीकत बना दिया।' निस्संदेह, निकिता का यह साहसी कदम जहां पति की वीरता को जीवंत रखने का संकल्प था, वहीं देशभक्ति की अनूठी मिसाल भी। सेना की वर्दी में पति के राष्ट्रभक्ति के अहसासों को हरदम महसूस करना भी था जो उद्दात प्रेम के अहसासों का पर्याय है। दृढ़ संकल्पों को हकीकत में बदलने का जज्बा भी है। जो बताता है कि मन के संकल्प से हम अपने दुखों को राष्ट्रभक्ति के गहरे अहसासों में बदल सकते हैं। यह निजी प्रेम को राष्ट्रीय प्रेम में महसूस करने का अनुपम उदाहरण भी है। कभी जम्मू-कश्मीर की वादियों में जीवन की शुरुआत करने वाली निकिता के परिवार को कालांतर आतंकवादियों के खौफ में घाटी छोड़नी पड़ी। परिवार को फिर दिल्ली में नये सिरे से जीवन की शुरुआत करनी पड़ी। उस दौर में बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों को पलायन का दंश झेलना पड़ा था। उस भय व कष्ट ने ही उन्हें भीतर से मजूबत बनाया। यही आत्मिक बल था, जिसने उन्हें पति की शहादत से उपजे संकट की घड़ी में मजबूती से खड़े रहने का आत्मबल दिया। नियति का क्रूर मजाक यह था कि जिस घाटी में आतंकवाद से बचकर उनका परिवार सुरक्षित निकल गया था, उसी घाटी में उन्हें जांबाज पति को देश के लिये खोना पड़ा। निस्संदेह आज निकिता उन हजारों शहीदों की जीवन संगनियों के लिये प्रेरणा की मिसाल है, जो संकट के दबाव में अपना धैर्य खो देती हैं। अपने दर्द को सीने में दफन कर साहस व राष्ट्रभक्ति की जो अनूठी इबारत निकिता ने लिखी है, वह आने वाले वक्त में दुविधा के संकट से जूझती वीरांगनाओं का मार्गदर्शन करेगी। आज निकिता अपने शहीद पति के उन संकल्पों को पूरा करने को कटिबद्ध है, जिनके लिये उन्होंने सेना ज्वाइन की थी। वह चाहती तो अपनी बहुराष्ट्रीय कंपनी की नौकरी को जारी रखकर सामान्य जिंदगी जी सकती था। लेकिन उसने संघर्ष और उद्दात जीवन मूल्यों की राह चुनी। यही वजह है कि वे आज देश की लाखों बेटियों के लिये मार्गदर्शक मिसाल है कि संकट की घड़ी में जीवन के फैसले किस तरह लिये जाते हैं।

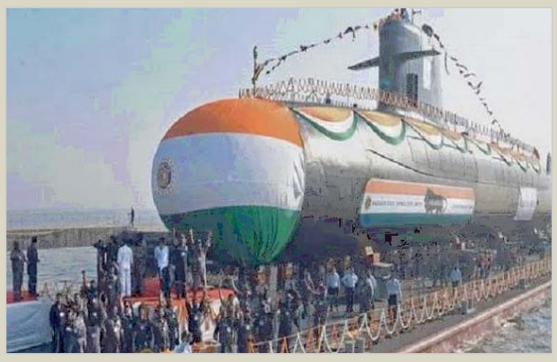

चीन-पाकिस्तान पर नजर, सरकार ने 6 अत्याधुनिक पनडुब्बियों के निर्माण को दी मंजूरी

नई दिल्ली: रक्षा मंत्रालय ने देश में ही छह पनडुब्बी बनाने से संबंधित 43000 करोड़ रूपये की परियोजना के लिए निविदा जारी करने को आज मंजूरी दे दी। साथ ही सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और संचालन जरूरतों से संबंधित उपकरणों की खरीद के छह हजार करोड़ रूपये के रक्षा सौदों को भी मंजूरी दी गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को यहां हुई परिषद की बैठक में इन प्रस्तावों पर मुहर लगायी गयी। नौसेना के लिए श्रेणी पी 75 की ये पनडुब्बी सामरिक साझेदारी माडल के तहत बनायी जायेगी। ये पनडुब्बी स्वदेशी होंगी तथा इन्हें अत्याधुनिक प्रणालियों के साथ लैस किया जायेगा। सामरिक साझेदारी मॉडल के तहत यह पहला मामला है जिसे मंजूरी दी गयी है और इस तरह मेक इन इंडिया परियोजना के तहत यह अब तक का सबसे बडा प्रोजेक्ट होगा। इससे आयात पर निर्भरता कम होगी और धीरे धीरे देश आत्मनिर्भर बनेगा। इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद देश को अपने 30 वर्ष के पनडुब्बी निर्माण कार्यक्रम को आगे बढाने में सफलता मिलेगी। परिषद ने 6000 करोड़ रूपये की लागत से खरीदो और बनाओ श्रेणी के तहत सेना के लिए एयर डिफेंस गन और अन्य हथियारों की खरीद को भी मंजूरी दी है।

‘4900 रुपए प्रति टन महंगा हुआ स्टील, कम्पनियों ने दो दिन में बढ़ाए दाम’

नई दिल्ली: कोरोना की मार के बीच महंगाई छलांग मार रही है। आने वाले समय में वाहन खरीदने और घर बनाने के लिए आपको ज्यादा जेब ढीली करनी पड़ सकती है। इसका कारण यह है कि घरेलू निर्माताओं ने स्टील की कीमतों में बढ़ौतरी कर दी है। इंडस्ट्री सूत्रों के अनुसार हॉट रोल्ड कॉइल (एच.आर.सी.) और कोल्ड रोल्ड कॉइल (सी.आर.सी.) की कीमतों में 4,000 से 4,900 रुपए प्रति टन की बढ़ौतरी हुई है। कम्पनियों ने कीमतों में यह बढ़ौतरी बीते दो दिनों में की है। बढ़ौतरी के बाद एच.आर.सी. की कीमत 70-71 हजार रुपए प्रति टन हो गई है। वहीं, सी.आर.सी. की कीमत 83-84 हजार रुपए प्रति टन पर पहुंच गई हैं। एच.आर.सी. और सी.आर.सी. फ्लैट स्टील होती है। यह मुख्य रूप से ऑटो, अप्लायंसेज और कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री में इस्तेमाल की जाती है। स्टील की कीमतों में बढ़ौतरी से वाहनों, कंज्यूमर गुड्स और कंस्ट्रक्शन की लागत प्रभावित होती है। इसका कारण यह है कि स्टील इन सैक्टर्स का प्रमुख कच्चा माल है।

कोयला आयात में कमी और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम

नई दिल्ली। भारत सरकार ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को बिजली उत्पादक स्टेशनों में घरेलू कोयले के उपयोग में लचीलापन की अनुमति देकर उन्हें सक्षम बनाया है ताकि विद्युत उत्पादन की लागत में कमी आए। राज्य अपने लिंकेज घरेलू कोयले का उपयोग कोयले के लचीले उपयोग के तहत केस-2 परिदृश्य-4 बिजली संयंत्रों में कर सकते हैं, जिससे बिजली की लागत में कमी आएगी। पूरी बचत बिजली उपभोक्ताओं को दी जाएगी। इससे पंजाब, हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश के वर्तमान उपभोक्ताओं को लाभ होगा। इससे केवल पंजाब में प्रति वर्ष लगभग 300 करोड़ रुपए की बचत होने की आशा है। इससे कोयला आयात में कमी करने में मदद मिलेगी और यह आत्मानिर्भर भारत पहल के अनुरूप है। यह कार्बन उत्सर्जन को भी कम करेगा क्योंकि कोयले का उपयोग कम स्टेशन ताप दर वाले अधिक कुशल बिजली संयंत्रों में किया जाएगा। घरेलू कोयले के इस्तेमाल में लचीलापन के अंतर्गत राज्य अपने समग्र लिंकेज कोयले यानी एग्रीगेटेड एनुअल कॉन्ट्रैक्ट क्वांटिटी (एएसीक्यू) का उपयोग उन बिजली संयंत्रों में भी कर सकते हैं, जिन्हें केस-परिदृश्य-4 के तहत स्पर्धी बोली के माध्यम से स्थापित किया है। केस-2, परिदृश्य-4 बिजली संयंत्र वह बिजली संयंत्र हैं जिनकी बोली कुल ताप दर के आधार पर लगाई गई है और ऐसे संयंत्रों से उत्पादित बिजली की आपूर्ति राज्य को ही की जाती है।

EU, ब्रिटेन ने फेसबुक के खिलाफ शुरू की जांच, साइंस मार्केट में प्रतिस्पर्धा बिगाड़ने का लगा आरोप

इंटरनेशनल डेस्क:

यूरोपीय संघ और ब्रिटिश नियामकों ने वर्गीकृत विज्ञापन बाजार में प्रतिस्पर्धा नियमों के कथित उल्लंघन को लेकर सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक की जांच शुरू की है। जांच में पता लगाया जाएगा कि क्या कंपनी ने प्रतिस्पर्धी सेवाओं के जरिये प्राप्त आंकड़ों को उपयोग प्रतिस्पर्धा बिगाड़ने में तो नहीं किया। यूरोपीय आयोग ने शुक्रवार को कहा कि वह यह भी जांच करेगा कि जिस तरीके से फेसबुक ने अपने खुद के वर्गीकृत विज्ञापन सेवा बाजार मंच को सोशल नेटवर्क से संबद्ध किया है, इससे क्या उसे ग्राहकों तक पहुंचने में लाभ मिल रहा है और क्या इससे ईयू के प्रतिस्पर्धा नियमों का उल्लंघन हो रहा है। इस बीच, ब्रिटेन के प्रतिस्पर्धा आयोग ने भी फेसबुक के खिलाफ जांच की घोषणा की है। जांच में इस बात का पता लगाया जाएगा कि क्या फेसबुक का आंकड़ों का संग्रह और उसका उपयोग उसे वर्गीकृत आंकड़े और ‘ऑनलाइन डेटिंग’ की सुविधा उपलब्ध कराने वाली प्रतिस्पर्धी कंपनियों के मुकाबले अनुचित लाभ देता है। यूरोपीय आयोग की कार्यकारी उपाध्यक्ष और प्रतिस्पर्धा नीति मामलों प्रभारी मारग्रेट वेस्टेगर ने कहा, ‘‘फेसबुक अपने सोशल नेटवर्क और उससे इतर उपयोगकर्ताओं की गतिविधियों के जरिये काफी सारा आंकड़ा प्राप्त करती है। इन आंकड़ों के जरिये कंपनी विशिष्ट ग्राहक समूहों को लक्षित करने में सक्षम होती है। उन्होंने कहा, ‘‘हम इस बात को विस्तार से देखेंगे कि क्या ये आंकड़े फेसबुक को विशेष रूप से ऑनलाइन वर्गीकृत विज्ञापन क्षेत्र में अनुचित प्रतिस्पर्धात्मक लाभ देते हैं।यूरोपीय संघ के नियामकों की इस इस जांच को बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के दबदबे पर लगाम लगाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

वास्तव में ईयू की यह चिंता रही है कि ये ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अपने ग्राहकों से एकत्र किए गए आंकड़ों का उपयोग उनके खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने में करते हैं, यह जांच इस बात को भी रेखांकित करता है।

भारत फोर्ज को चौथी तिमाही में 212.12 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा

नई दिल्ली: वाहनों के कलपुर्जे बनाने वाली प्रमुख कंपनी, भारत फोर्ज ने मजबूत बिक्री के साथ 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही में 212.12 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध मुनाफा दर्ज किया है। भारत फोर्ज लिमिटेड (बीएफएल) ने शुक्रवार को शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। उसने पिछले वित्त वर्ष इसी दौरान 68.59 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध घाटा दर्ज किया था। समीक्षाधीन अवधि के दौरान परिचालन से एकीकृत आय, साल भर पहले की समान तिमाही के 1,741.92 करोड़ रुपए के मुकाबले 2,082.85 करोड़ रुपए रही। 31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वित्तवर्ष में, कंपनी ने 126.97 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध घाटा दर्ज किया। पिछले वित्तवर्ष में उसने 349.25 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध मुनाफा कमाया था। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 में परिचालन से एकीकृत आय 6,336.26 करोड़ रुपए की हुई, जो वित्तवर्ष 2019-20 में 8,055.84 करोड़ रुपए थी। बीएफएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक बीएन कल्याणी ने कहा कि इस वर्ष की समाप्ति हमारे लिए अच्छी रही। ‘‘वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही में निर्यात में 43 प्रतिशत की वृद्धि और बिक्री में 26.2 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जो अब सभी प्रमुख खंडों में वृद्धि देखी जा रही है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर के पार: शक्तिकान्त दास

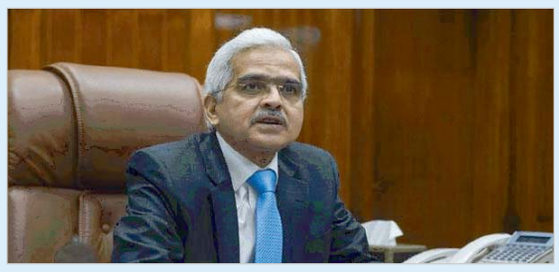

नई दिल्ली: भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने शुक्रवार को कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार संभवतः 600 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गया। हाल में विदेशी पूंजी प्रवाह काफी तेजी से बढ़ा है जिससे विदेशी मुद्रा भंडार का आंकड़ा ऊपर जा रहा है। रिजर्व बैंक की ओर से 28 मई को जारी आंकड़ों के अनुसार, 21 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.865 अरब डॉलर बढ़कर 592.894 अरब डॉलर पर पहुंच गया। स्वर्ण भंडार और विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां बढ़ने से मुद्रा भंडार बढ़ा है। दास ने शुक्रवार को केंद्रीय बैंक की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करते हुए कहा कि मौजूदा अनुमान के आधार पर हमारा मानना है कि विदेशी मुद्रा भंडार संभवत~ 600 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। अर्थव्यवस्था में तरलता को प्रोत्साहन के लिए केंद्रीय बैंक ने कई कदमों की घोषणा की है। इनमें कोविड-19 महामारी से प्रभावित विभिन्न क्षेत्रों के लिए विशेष नकदी सुविधा शामिल है। रिजर्व बैंक ने सरकारी प्रतिभूतियों के खरीद कार्यक्रम (जी-सैप) 2.0 की भी घोषणा की। केन्द्रीय बैंक ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में रिजर्व बैक 1.20 लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की द्वितीयक बाजार से खरीद करेगा। वहीं, रिजर्व बैंक 17 जून को 40 हजार करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद करेगा।

नीति आयोग के सदस्य बोले, भारत ने कोरोना की दूसरी लहर का अच्छे से किया सामना

नेशनल डेस्क।

नीति आयोग के सदस्य वीके सारस्वत ने कहा कि भारत ने कोविड-19 की दूसरी लहर का सामना काफी अच्छी तरह से किया और इसलिए संक्रमण के नए मामलों की संख्या में काफी कमी आई है। साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि तीसरी लहर से निपटने के लिए भी तैयारियां पूरी होनी चाहिए, जिससे युवा आबादी के अधिक प्रभावित होने की आशंका है।

सितम्बर-अक्टूबर से कोविड-19 की तीसरी लहर

सारस्वत ने कहा कि भारत के महामारी विशेषज्ञों ने बहुत स्पष्ट संकेत दिए हैं कि कोविड-19 की तीसरी लहर अपरिहार्य है और इसके सितम्बर-अक्टूबर से शुरू होने की आशंका है। इसलिए देश को अधिक से अधिक लोगों का टीकाकरण करना चाहिए। सारस्वत ने ‘पीटीआई-भाषा’ से कहा, ‘‘ मुझे लगता है कि हमने काफी हद तक अच्छा किया है। हमने कोविड-19 की दूसरी लहर का अच्छी तरह सामना किया और यह उसी का परिणाम है कि संक्रमण के नए मामले काफी कम हो रहे हैं।’’ उन्होंने कहा, ‘‘ हमारी वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी गतिविधियों की मदद, ऑक्सीजन बैंक बनाना, बड़ी संख्या में ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए उद्योग स्थापित कर, हम महामारी से निपटने में कामयाब रहे। रेलवे, हवाईअड्डों, सैन्य बल का इस्तेमाल तरल ऑक्सीजन को ले जाने के लिए किया जा रहा है।’’ देश में पहले चार लाख से अधिक रोजाना मामले सामने आ रहे थे, लेकिन पिछले कुछ दिनों में संक्रमण के नए मामलों की संख्या गिर कर लगभग 1.3 लाख पर आ गई है।

कोविड-19 से निपटने का प्रबंधन शानदार

सारस्वत ने कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी की पहली लहर के दौरान भी भारत का प्रबंधन अच्छा था और उसने ही देश को वैश्विक महामारी की दूसरी लहर को नियंत्रित करने का आत्मविश्वास भी दिया। उन्होंने कहा, ‘‘ हमारा कोविड-19 की दूसरी लहर से निपटने का प्रबंधन शानदार था, जिसे हम आपातकालीन प्रबंधन कहते हैं।’’ केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह आठ बजे जारी किए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में कोरोना वायरस के एक दिन में 1,32,364 नये मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2,85,74,350 हो गई, जबकि मरीजों के संक्रमण मुक्त होने की दर 93 प्रतिशत के पार चली गई है।

कोविड से बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों के लिए RBI की 15,000 करोड़ रुपए की नकदी सुविधा

नई दिल्ली:

कोविड-19 से बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों को समर्थन के लिए रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को 15,000 करोड़ रुपए की तरलता खिड़की सुविधा शुरू करने का फैसला किया है। यह सुविधा संपर्क-गहन क्षेत्रों मसलन होटल और रेस्तरां, पर्यटन तथा विमानन सहायक सेवाओं वाले क्षेत्र के लिए पेश की गई है। यह सुविधा 31 मार्च, 2022 तक रेपो दर पर उपलब्ध 50,000 करोड़ रुपए की नकदी सुविधा के अतिरिक्त है। इसके तहत कर्ज तीन साल के लिए उपलब्ध होगा। इसकी घोषणा पांच मई को कोविड से जुड़े स्वास्थ्य क्षेत्र को जरूरी मदद के लिए की गई थी। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करते हुए कहा, ‘‘संपर्क-गहन क्षेत्रों पर दूसरी लहर के प्रतिकूल प्रभाव से उबरने के लिए 31 मार्च, 2022 तक 15,000 करोड़ रुपये की एक अलग तरलता खिड़की शुरू होगी। रेपो दर पर इसकी अवधि तीन साल की होगी।%% गवर्नर ने कहा कि इस योजना के तहत होटल, रेस्तरां, पर्यटन-ट्रैवल एजेंट, टूर ऑपरेटरों और एडवेंचर/हेरिटेज सुविधाओं, विमानन सहायक सेवाओं ग्राउंड हैंडलिंग और आपूर्ति श्रृंखला और अन्य सेवाओं मसलन निजी बस परिचालकों, कार मरम्मत सेवाओं, किराए पर कार उपलब्ध कराने वालों, कार्यक्रम आयोजकों, स्पा क्लिनिक और ब्यूटी पार्लर/ सैलून आदि के लिए बैंक नया ऋण उपलब्ध करा सकते हैं। दास ने कहा, ‘‘एक प्रोत्साहन के तहत बैंकों को इस योजना के तहत अपने ऋण आकार के बराबर अधिशेष नकदी को रिवर्स रेपो सुविधा के तहत रिजर्व बैंक के पास रखने की अनुमति होगी। इसके लिए बैंकों को रेपो दर से 0.25 प्रतिशत कम या दूसरे शब्दों में कहा जाए, तो रिवर्स रेपो दर से 0.40 प्रतिशत अधिक ब्याज मिलेगा।%% वित्त मंत्रालय ने इससे पहले इस सप्ताह की शुरुआत में तीन लाख करोड़ रुपए की आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के दायरे का विस्तार करते हुए अस्पतालों में आक्सीजन संयंत्र लगाने के लिए भी योजना के तहत रियायती ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही योजना की वैधता को तीन माह बढ़ाकर 30 सितंबर तक कर दिया गया है अथवा तीन लाख करोड़ रुपए के कर्ज के लिए गारंटी जारी होने तक के लिए बढ़ा दिया गया है। सरकार ने इस सुविधा (ईसीएलजीएस 3.0) के तहत पात्रता के वासते 500 करोड़ रुपए के बकाया कर्ज की सीमा को भी हटा दिया है। इसमें अब प्रत्येक उधार लेने वाले को ईसीएलजीएस सहायता अधिकतम 40 प्रतिशत अथवा 200 करोड़ रुपए जो भी कम होगी रखी जाएगी। इसके तहत नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए कर्ज को भी पात्र बना दिया गया है। इससे पहले इसमें आतिथ्य, यात्रा और पर्यटन, विश्राम स्थलों और खेलकूद वाले व्यवसायों को पात्र बनाया गया था। इसमें जिन व्यासायों का बकाया 29 फरवरी 2020 को 500 करोड़ रुपए से अधिक नही था। यदि कोई लंबित भुगतान था वह भी 60 दिन आिवा उससे कम होना चाहिये।

कोविड-19 वैक्सीन की 30 करोड़ खुराकों के लिये मेसर्स बायोलॉजिकल के साथ स्वास्थ्य मंत्रालय का समझौता

नई दिल्ली।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने हैदराबाद की वैक्सीन बनाने वाली कंपनी बायोलॉजिकल-ई लिमिटेड के साथ कोविड-19 की वैक्सीन की 30 करोड़ खुराकों के लिये अग्रिम व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया है। वैक्सीन की ये खुराकें मेसर्स बायोलॉजिकल-ई कंपनी बनायेगी और उनका भंडारण करेगी। इसकी अवधि अगस्त से दिसंबर, 2021 तय की गई है। इस उद्देश्य को मद्देनजर रखते हुये स्वास्थ्य मंत्रालय, मेसर्स बायोलॉजिकल-ई को 1500 करोड़ रुपये अग्रिम दे रहा है। बायोलॉजिकल-ई की कोविड-19 वैक्सीन इस समय तीसरे चरण के क्लीनिकल ट्रायल से गुजर रही है। पहले और दूसरे क्लीनिकल ट्रायल में बेहतर नतीजे मिले थे। वैक्सीन को बायोलॉजिकल-ई ने विकसित किया है, जो आरबीडी प्रोटीन सब-यूनिट वैक्सीन है। संभावना है कि अगले चंद महीनों में यह उपलब्ध हो जायेगी। मेसर्स बायोलॉजिकल-ई के वैक्सीन प्रस्ताव पर नेशनल एक्सपर्ट ग्रुप ऑन वैक्सीन एडमिनेस्ट्रेशन फॉर कोविड-19 (नेगवैक) ने चर्चा और पड़ताल करने के बाद उसे मंजूर करने की सिफारिश की थी।

मेसर्स बायोलॉजिकल-ई के साथ जो यह व्यवस्था की गई है, वह केंद्र सरकार के उस बड़े प्रयास का हिस्सा है, जो सरकार स्वदेशी वैक्सीन निर्माताओं को प्रोत्साहन देने के लिये कर रही है। इसके हवाले से सरकार स्वदेशी कंपनियों को अनुसंधान व विकास में सहयोग कर रही है तथा वित्तीय सहायता भी प्रदान कर रही है।

जियो ने ओडिशा में 20 मेगाहट्र्ज का अतिरिक्त स्पेक्ट्रम लगाया

भुवनेश्वर।

रिलायंस जियो ने ओडिसा में 20 मेगाहट्र्ज अतिरिक्त स्पेक्ट्रम लगाया है। कंपनी ने इस स्पेक्ट्रम का अधिगहण हालिया नीलामी में किया था। रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड (आरजेआईएल) ने मार्च में घोषणा की थी कि उसने दूरसंचार विभाग द्वारा आयोजित नीलामी में सभी 22 सर्किलों में स्पेक्ट्रम के इस्तेमाल का अधिकार हासिल किया है। कंपनी ने इस दौरान 800 मेगाहट्र्ज, 1800 मेगाहट्र्ज और 2300 मेगाहट्र्ज बैंड में अतिरिक्त स्पेक्ट्रम का अधिग्रहण किया था। ओडिशा में जियो ने 20 मेगाहट्र्ज का अतिरिक्त स्पेक्ट्रम का अधिग्रहण किया था। इनमें से पांच मेगाहट्र्ज 800 मेगाहट्र्ज बैंड में, 5 मेगाहट्र्ज 1800 मेगाहट्र्ज बैंड और 10 मेगाहट्र्ज का अधिग्रहण 2300 मेगाहट्र्ज बैंड में किया था। जियो ने राज्य में 10,000 से अधिक नेटवर्क साइटों पर तीनों स्पेक्ट्रम का प्रयोग शुरू किया है। इसके साथ ही ओडिशा में जियो के पास 60 मेगाहट्र्ज बैंडविड्थ उपलब्ध हो गई है। राज्य में जियो के 1.4 करोड़ मोबाइल ग्राहक हैं। राज्य में सकल राजस्व में जियो का 50 प्रतिशत हिस्सा है। राज्य में 4जी टावरों की बढ़ती मांग के बीच जियो नेटवर्क को बढ़ा रही है।

उद्योग जगत को उम्मीद, भविष्य में रेपो दर घटाएगा रिजर्व बैंक

बिजनेस डेस्क:

भारतीय उद्योग जगत ने कहा है कि वह भविष्य में रेपो दर में कटौती की उम्मीद कर रहा है। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष की दूसरी मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दरों को यथावत रखा है। मौद्रिक नीति पर प्रतिक्रिया में उद्योग जगत ने कहा कि आने वाले समय में कोष की लागत नीचे आनी ही चाहिए। ऐसे में भविष्य में रेपो दर में कटौती की संभावना है। इसके साथ ही उद्योग जगत ने उम्मीद जताई कि केंद्रीय बैंक अपने नरम मौद्रिक रुख को जारी रखेगा। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि टिकाऊ आधार पर वृद्धि को समर्थन देने की जरूरत बने रहने तक केंद्रीय बैंक अपने उदार रुख को जारी रखेगा। साथ ही वह मुद्रास्फीति को लक्ष्य के दायरे में रखेगा। अग्रवाल ने कहा कि आने वाले समय में कोष की लागत को नीचे लाना होगा। ऐसे में हम भविष्य में रेपो दर में कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। हमारा अनुमान है कि केंद्रीय बैंक का नरम रुख अभी जारी रहेगा क्योंकि कमजोर मांग को बेहतर बनाने के लिए तरलता समर्थन बढ़ाने की जरूरत होगी। उद्योग मंडल एसोचैम ने कहा कि रिजर्व बैंक के फैसले से यह संदेश जाता है कि वह महामारी से सबसे अधिक प्रभावित लोगों तक पहुंचना चाहता है। ऐसे लोगों को वह नरम दरों पर ऋण उपलब्ध कराने की पहल कर रहा है। एसोचैम ने कहा कि रेपो दर को यथावत रखते हुए केंद्रीय बैंक ने संपर्क-गहन क्षेत्रों के लिए 15,000 करोड़ रुपए की विशेष तरलता खिड़की शुरू करने की घोषणा की है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने कहा कि नीतिगत दरों को यथावत रखते हुए केंद्रीय बैंक सरकार के बड़े उधार कार्यक्रम के बीच बांड पर प्राप्ति को स्थिर रखने को गैर-परंपरागत माध्यमों का इस्तेमाल कर रहा है। सीआईआई ने कहा कि संपर्क-गहन क्षेत्र के लिए 15,000 करोड़ रुपए की नकदी सुविधा तथा सिडबी के लिए विशेष तरलता सुविधा से संकट में फंसे क्षेत्रों को राहत मिलेगी।

एडीबी और भारत ने सिक्किम में सड़क उन्नयन परियोजना की तैयारी में आवश्यक सहयोग के लिए समझौते पर किए

नई दिल्ली। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और भारत सरकार ने आज सिक्किम में प्रमुख जिला सड़कों का उन्नयन करने हेतु परियोजना तैयार करने और डिजाइन संबंधी गतिविधियों में आवश्यक सहयोग देने के लिए 2.5 मिलियन डॉलर के परियोजना तैयारी वित्तपोषण (पीआरएफ) ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए जिनसे इस पूर्वोत्तर राज्य में महत्वपूर्ण कस्बों, ग्रामीण क्षेत्रों और तीर्थ एवं पर्यटन स्थलों से कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। प्रस्तावित सिक्किम प्रमुख जिला सड़क उन्नयन परियोजना के लिए पीआरएफ पर भारत सरकार की ओर से वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग में अपर सचिव रजत कुमार मिश्रा और एडीबी की ओर से एडीबी के भारत निवासी मिशन के कंट्री डायरेक्टर ताकेओ कोनिशी ने हस्ताक्षर किए। श्री मिश्रा ने कहा कि पीआरएफ से प्रमुख जिला सड़कों एवं अन्य सड़कों और पुलों की समुचित योजना और डिजाइन के माध्यम से इस पहाड़ी राज्य में सड़क संपर्क (कनेक्टिविटी) को बेहतर करने संबंधी राज्य सरकार की प्राथमिकता में आवश्यक सहयोग मिलेगा जिनसे इस राज्य में आर्थिक विकास की गति तेज करने और दूरदराज के गांवों में लोगों की पहुंच को बेहतर करने में मदद मिलेगी। कोनिशी ने कहा, ‘पीआरएफ परियोजना का उद्देश्य व्यवहार्यता अध्ययनों के जरिए कार्यान्वयन संबंधी तैयारी सुनिश्चित करना, चयनित उप-परियोजनाओं के विस्तृत इंजीनियरिंग डिजाइन तैयार करना और इस राज्य की विभिन्न एजेंसियों का क्षमता निर्माण करना है, ताकि आगामी परियोजना समय पर पूरी हो सके। कोनिशी ने कहा, ‘इससे सृजित परिसंपत्तियों की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए आगामी परियोजना में सड़क सुरक्षा, रखरखाव, और जलवायु अनुकूलन एवं शमन के घटकों या अवयवों को शामिल करने में भी मदद मिलेगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कॉनवे को रोकने के लिए विराट को बनानी होगी योजना , अश्विन हो सकते हैं प्रभावी

लंदन। मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में कई रिकार्ड बनाने वाले न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवॉन कॉनवे ने जिस प्रकार से खेल है। उससे भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली को भी इस बल्लेबाज से निपटने के लिए सोचना होगा क्योंकि भारत और न्यूजीलैंड के बीच 18 जून से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। कॉनने ने जिस प्रकार इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण को आसानी से खेला है, ऐसे में लगता है कि अनुभवी स्पिनर आर अश्विन इस बल्लेबाज के खिलाफ विराट के ट्रंप कार्ड हो सकते हैं। विराट की कप्तानी में इंग्लैंड पहुंची भारतीय टीम अभी पृथकवास में हैं। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम ने मेजबानों के साथ पहले टेस्ट के साथ ही डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए अपनी तैयारियां शुरु कर दी हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में कीवी टीम ने कॉनवे के शानदार दोहरे शतक से 378 रन बनाये। डेब्यू ने अपने डेब्यू के बाद से ही शानदार प्रदर्शन किया है। कॉनवे ने 347 गेंदों में 22 चौके और एक छक्के की मदद से 200 रनों की पारी खेली। वह डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले न्यूजीलैंड के 12वें बल्लेबाज हैं। अब कॉनवे की तुलना ऑस्ट्रेलिया के पूर्व खिलाड़ी माइक हसी से की जा रही है. कॉनवे ने न्यूजीलैंड के लिए 14 टी20 मैचों में 59.12 की औसत से 473 रन बनाए हैं।

बेस कैम्प पहुंचकर क्वारंटाइन हुई भारतीय क्रिकेट टीम

साउथेम्पटन।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को अपने ट्विटर हैंडल के माध्यम से इस बात की पुष्टि कर दी है कि भारतीय क्रिकेट टीम साउथेम्पटन के एजेस बाउल पहुंचने के बाद क्वारंटाइन चरण में प्रवेश कर चुकी है।विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा, रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह ने मैदान में ही स्थित अपने होटल के कमरों में पहुंचने के साथ ही गुरुवार को एजेस बाउल से अपनी तस्वीरें पहले ही ट्वीट कर दी थीं। बीसीसीआई के पुष्टि इसके एक दिन बाद आई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भारत से टीम की यात्रा के एक छोटे वीडियो के साथ ट्वीट किया, टीम इंडिया के इंग्लैंड पहुंचने पर रोमांच चरम पर है। वीडियो में खिलाड़ियों को इंग्लैंड की लंबी यात्रा के दौरान फिल्में देखने के अलावा सोते हुए दिखाया गया है। वीडियो में दिखाया गया है कि बेस कैम्प पहुंचने के बाद खिलाड़ी आइसोलेट हो गए हैं। एजेस बाउल ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिए बेस कैम्प है। इसी मैदान पर भारत को 18 जून से न्यूजीलैंड के साथ टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेलना है।बीसीसीआई ने कोविड -19 महामारी के मद्देनजर पुरुष और महिला दोनों टीमों को इंग्लैंड पहुंचाने के लिए एक चार्टर फ्लाइट की व्यवस्था की थी। विराट कोहली की अगुवाई में भारतीय पुरुष टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल 18-22 जून के बीच न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद 4 अगस्त से उसे इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है।महिला टीम साउथेम्पटन में क्वारंटाइन चरण के बाद ब्रिस्टल में 16 जून से इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट खेलेगी। इसके बाद महिला टीम इंग्लैंड के साथ ही तीन मैचों की वनडे सीरीज और इतने ही मैचों की टी20 सीरीज खेलगी।

फ्रेंच ओपन :गासक्वेट को हराकर तीसरे दौर में पहुंचे नडाल

पेरिस।

विश्व के नंबर-3 खिलाड़ी स्पेन के राफेल नडाल ने फ्रांस के रिचर्ड गासक्वेट को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनाई। नडाल ने गासक्वेट को 6-0, 7-5, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। नडाल ने गासक्वेट के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 17-0 कर लिया है। नडाल ने पहली सर्विस से 84 फीसदी अंक हासिल किए। 13 बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन नडाल ने गासक्वेट को अपने ऊपर हावी होने का कोई मौका नहीं दिया और पहला सेट 6-0 से जीता। गासक्वेट ने दूसरे सेट में नडाल को कुछ टक्कर देनी चाही लेकिन नडाल ने इस सेट को भी 7-5 से अपने नाम किया। तीसरा सेट एकतरफा रहा और नडाल ने इसे 6-2 से अपने नाम कर मैच जीत लिया। नडाल का अगले दौर में सामना ब्रिटेन के कैमरून नूरी से होगा जिन्होंने लॉयड हैरिस को 4-6, 6-3, 6-3, 6-2 को हराया। इससे पहले, पूर्व नंबर-1 स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर और विश्व के नंबर-1 खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने अपने-अपने मुकाबले जीत तीसरे दौर में जगह बनाई।

फ्रेंच ओपन : मौजूदा चैम्पियन स्वीएतेक, केनिन तीसरे दौर में पहुंचीं

पेरिस।

मौजूदा चैम्पियन इगा स्वीएतेक और सोफिया केनिन यहां जारी ग्रैंड स्लैम टनिस टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में पहुंच गई हैं।स्वीएतेक ने दूसरे दौर में स्वीडन की रेबेका पीटरसन को 6-1, 6-1 से हराया। यह मैच एक घंटे एक मिनट चला। इसी तरह केनिन ने अमेरिका की हेली बेप्टाइस को 7-5, 6-3 से हराया। अगले दौर में स्वीएतेक का साना 30वीं सीड इस्तोनिया की एनेट कोंटोवीट से होगा। इसके अलावा, अमेरिका की युवा टेनिस स्टार कोको गौफ ने भी तीसरे दौर में जगह बनी ली है। गौफ ने पहली बार इस ग्रैंड स्लैम इवेंट के तीसरे दौर में जगह बना ने के लिए चीन की वांग कियांग को गुरुवार को 6-3, 7-6 (1) से हराया। इन सबके अलावा, एलिना स्वीतोलीना भी तीसरे दौर में पहुंच गई हैं। स्वीतोलीना ने अमेरिका की एन ली को एक घंटे 11 मिनट तक चले मुकाबले में 6-0, 6-4 से हराया। इसी तरह एक अन्य मुकाबले में ट्यूनिशिया की ओन्स जाबेर ने वाइल्डकार्डधारी एस्ट्रा शर्मा को 6-2, 6-4 से हराया। यूक्रेन की मार्ताज़ कोंटयुक भी तीसरे दौर में पहुंचने में सफल रही हैं। पहले दौर में गारबीन मुगुरुजा को हराने वाली कोंटयुक ने दूसरे दौर में चीन की झेंग साएसाए को 6-3, 6-4 से पराजित किया।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में अलग स्टाइल की कप्तानी के बीच होगी जंग : ली

सिडनी।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली का कहना है कि इस महीने भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) के फाइनल मुकाबले में अलग-अलग स्टाइल की कप्तानी के बीच जंग होगी। ली ने साथ ही कहा कि भारतीय कप्तान विराट कोहली का क्रिकेट को लेकर दिमाग और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस की गेंद से ट्रिक्स इन्हें दुनिया का क्रमशः सवश्रेष्ठ बल्लेबाज और गेंदबाज बनाते हैं। ली ने कहा, जब आप इस समय के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को देखते हैं तो कोहली पर से नजर हटाना मुश्किल हो जाता है। उनका रिकॉर्ड शानदार है। इस उम्र में वह लगातार अपने खेल में सुधार कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए 76 टेस्ट और 221 वनडे मैच खेलने वाले ली ने कहा, कमिंस के पास अच्छी तकनीक है और मेरे ख्याल से वह भविष्य में ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान बनेंगे। उन्होंने कहा, कोहली गतिशील खिलाड़ी हैं और टीम के लिए प्रेरणास्रोत्र हैं। मेरे ख्याल यह इसलिए है क्योंकि उन्हें पता है कि टेस्ट क्रिकेट उनके लिए, टीम के लिए और देश के लिए कितना महत्वपूर्ण है। तेज गेंदबाज ने कहा, हमें पता है कि कोहली बड़े अवसर में अच्छा करते हैं और वह चाहेंगे कि उनकी टीम डब्ल्यूटीसी की पहली विजेता बने। उनके लिए यह बहुत मायने रखता है। अपने करियर में 310 टेस्ट विकेट और 380 वनडे विकेट लेने वाले ली ने न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन और कोहली को अलग-अलग तरह का कप्तान बताया। ली के अनुसार, कोहली आक्रमक है और विलियम्सन बोर हुए बिना रूढ़ीवादी है। ली ने कहा, कोहली और विलियम्सन अलग खिलाड़ी हैं। विलियम्सन बोर हुए बिना ज्यादा रूढ़ीवादी हैं और उनके पास क्रिकेट का अच्छा दिमाग है। मुझे उनके संयम के स्तर का कायल हूं, इसलिए मैं कहता हूं कि वह बोरिंग कप्तान नहीं हैं। उन्होंने कहा, दूसरी तरफ कोहली हैं और एक आक्रमक कप्तान हैं। इन दोनों के लिए कोई सही या गलत जवाब नहीं है क्योंकि मैं ऐसे कप्तानों के साथ खेला हूं जो अपरिवर्तवादी भी थे और आक्रमक भी थे। लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि कौन बाजी मारेगा।

संक्षिप्त समाचार

जापान खेलों के आयोजन को लेकर 'पसोपेश' में है : ओलंपियन यामागुची

तोक्यो : जापान की सबसे प्रसिद्ध ओलंपियनों में से एक और जापानी ओलंपिक समिति की कार्यकारी सदस्य काओरी यामागुची का मानना है कि जापान कोविड-19 महामारी के दौरान तोक्यो खेलों के आयोजन को लेकर 'पसोपेश' में है। एक संपादकीय में यामागुची ने मुखर होकर कहा कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी), सरकार और स्थानीय आयोजक जापानी जनता के ओलंपिक के व्यापक विरोध की अनदेखी कर रहे हैं। अलग-अलग जनमत संग्रहों में जापान की 50 से 80 प्रतिशत जनता ने ओलंपिक आयोजन के खिलाफ मतदान किया है। यामागुची ने जापान की क्योदो समाचार एजेंसी द्वारा प्रकाशित एक संपादकीय में लिखा है कि हम एक ऐसी स्थिति में फंस गए हैं, जहां अब हम रुक भी नहीं सकते। अगर हम ऐसा करते हैं तो हमें नुकसान होगा और अगर हम ऐसा नहीं करते हैं तो भी हमें बहुत नुकसान होगा। उन्होंने कहा- ऐसा लग रहा है कि आईओसी के लिए जापान की जनता की राय कोई मायने नहीं रखती है। त्सुकुबा विश्वविद्याल में पढ़ाने वाली यामागुची ने 1988 ओलंपिक में जूडो में कांस्य पदक जीता था और वह पूर्व विश्व चैम्पियन है। उन्होंने सवाल किया कि यह ओलंपिक क्यों और किसके लिए होगा। इस आयोजन का स्तर पहले ही कम हो गया है और मुझे लगता है कि हम इसे रद्द करने के मौके चूक गए हैं।

टोक्यो ओलंपिक के लिए भारतीय टीम की आधिकारिक किट का अनावरण

नई दिल्ली । टोक्यो 2020 ओलंपिक खेलों के शुरू होने में अब केवल 50 दिन बचे हैं, इसी के साथ भारतीय ओलंपिक संघ ने भारतीय दल के लिए एक प्रभावशाली औपचारिक और आधिकारिक खेल पोशाक का अनावरण किया। यह भारतीय दल 23 जुलाई से 8 अगस्त 2021 तक टोक्यो, जापान में होने वाले ओलंपिक खेलों में भाग लेगा। केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेलमंत्री, किरेन रिजिजू ने टोक्यो 2020 ओलंपिक खेलों में टीम इंडिया के लिए आधिकारिक किट का अनावरण किया। भारतीय ओलंपिक संघ-आईओए के अध्यक्ष डॉक्टर नरिंदर ध्रुव बत्रा और महासचिव राजीव मेहता इस कार्यक्रम में उपस्थिति थे। इस कार्यक्रम में खेल मंत्रालय में सचिव रवि मित्तल, भारतीय खेल प्राधिकरण के महानिदेशक संदीप प्रधान, भारतीय दल के शेफ डी मिशन बी.पी. वैश्य, सांसद और उप-शेफ डी मिशन डॉ. प्रेम चंद वर्मा भी उपस्थित थे। खेलमंत्री के आवास पर आयोजित उद्घाटन समारोह में ओलंपिक के लिए जाने वाले एथलीट बजरंग पुनिया, रवि कुमार, दीपक पुनिया, सुमित, सीमा बिस्ला और नीरज चोपड़ा भी मौजूद थे। आधिकारिक स्टाइल पार्टनर - रेमंड औपचारिक किट वितरित करेगा और आधिकारिक खेल परिधान भागीदार- ली-निंग टोक्यो जाने वाले एथलीटों के लिए यात्रा और खेल किट सहित खेल पोशाक की आपूर्ति करेगा। ली-निंग ने भारतीय ओलंपिक टीम की ऊर्जा और गौरव को व्यक्त करने के लिए भारत के राष्ट्रीय रंगों और एकीकृत अद्वितीय ग्राफिक्स से प्रेरित आधिकारिक खेल किट का डिज़ाइन तैयार किया है। आधिकारिक किट के डिजाइन भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा डिजाइनर सुश्री इदित्री गोयल की मदद और समर्थन से तैयार किए हैं।

पहलवान सोनम और सीमा वारसॉ में भारत के ओलंपिक शिविर में शामिल नहीं हो पाएंगी

नई दिल्ली।

चोटिल महिला पहलवान सोनम मलिक और सीमा बिसला सोमवार से पोलैंड के वारसॉ में महीने भर तक चलने वाले ओलंपिक ट्रेनिंग शिविर में शामिल नहीं सकेंगी।

कुश्ती के कोच ने आईएएनएस से कहा, चूंकि सोनम और सीमा चोटिल पहलवानों की लिस्ट में हैं, तो रवि दहिया, दीपक पुनिया और अंशु मलिक शनिवार को पोलैंड के लिए रवाना होंगे।

यह शिविर पांच जुलाई तक चलेगा।

सोनम और सीमा ने क्रमशः 62 किग्रा और 50 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में ओलंपिक कोटा जीता है। ये दोनों अपने-अपने घरों में ट्रेनिंग कर रही हैं और उम्मीद है कि दोनों पहलवान फिटनेस हासिल कर ओलंपिक में भाग लेंगी। दहिया ने पुरुष 57 किग्रा फ्रीस्टाइल और पुनिया ने 86 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। अंशु ने महिला 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल किया है। कोच ने कहा, पुनिया, अंशु और दहिया वारसॉ में आठ से 13 जून तक होने वाले वर्ल्ड रैंकिंग सीरीज में हिस्सा लेंगे। टूर्नामेंट के बाद ये पहलवान ओलंपिक की तैयारियों के लिए शिविर में शामिल होंगे। स्टार पहलवान बजरंग पुनिया जिन्होंने पुरुष 65 किग्रा फ्रीस्टाइल इवेंट के लिए ओलंपिक में क्वालीफाई है वह इसकी तैयारी के लिए रूस में ट्रेनिंग कर रहे हैं। कोच ने कहा, बजरंग पोलैंड में शिविर और वर्ल्ड रैंकिंग सीरीज में हिस्सा नहीं लेंगे। लेकिन महिला 53 किग्रा वर्ग में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकीं विनेश फोगाट वारसॉ में टूर्नामेंट में शामिल होना चाहती हैं। वह फिलहाल हंगरी में ट्रेनिंग कर रही हैं। टोक्यो ओलंपिक का आयोजन इस साल 23 जुलाई से होना है।

टीम चयन को लेकर ओलंपिक कोर ग्रुप में काफी उत्साह : नमिता टोप्पो

बेंगलुरु :

भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर नमिता टोप्पो ने कहा है कि टीम चयन को लेकर ओलंपिक कोर ग्रुप में काफी उत्साह है और साथ ही थोड़ी घबराहट भी है। उन्होंने बताया कि टोक्यो के समय को ध्यान में रख कर ओलंपिक के लिए तैयारी कर रहे हैं। टोक्यो ओलंपिक खेलों के शुरू होने में अब 50 से भी कम दिनों का समय बचा है। ऐसे में भारतीय महिला ओलंपिक कोर संभावित समूह के सदस्यों में काफी उत्साह है। टीम फिलहाल यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) केंद्र में बायो-बबल के अंदर अभ्यास कर रही है। टोप्पो ने कहा कि फिटनेस पर ध्यान देना सबसे अहमियत वाली चीज है। टोक्यो में मौसम काफी चुनौतीपूर्ण होने वाला है और हमारे अभ्यास सत्रों की योजना वहां के समय के हिसाब से बनाई गई है। ओलंपिक मैचों के लिए जरूरी लय हासिल करने के लिए हम काफी आंतरिक मुकाबले भी खेल रहे हैं। खेल शुरू होने में 50 दिनों से भी कम समय बचा है और टीम में बहुत उत्साह है। हम किसी बाहरी चीज से अपने उत्साह को प्रभावित नहीं होने दे रहे हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए 160 से अधिक मुकाबले खेल चुकी टोप्पो रियो ओलंपिक 2016 में 36 साल बाद ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम की सदस्य थी। टोक्यो 2020 के लिए टीम के 16 खिलाड़ियों का चयन होना बाकी है। इस बारे में टोप्पो ने कहा कि टीम में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और कई युवा खिलाड़ी आगे बढ़ रहे हैं। भारतीय मिडफील्डर ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में युवा खिलाड़ियों के एक बहुत ही प्रतिभाशाली समूह ने सीनियर कोर ग्रुप में जगह बनाई है, जिसने अंतरराष्ट्रीय दौरों पर टीम के लिए बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। इस दौरान उन्हें एशियाई सहित बड़े टूर्नामेंटों में खेलने का अनुभव भी मिला है। ऐसे में किसी भी खिलाड़ी के लिए यह नहीं कहा जा सकता कि टीम में उसकी जगह पक्की है या नहीं।

भारत की कोनेरु हम्पी फीडे कैंडीडेट शतरंज के लिए चयनित

जिब्राल्टर , यूके (निकलेश जैन) भारत की शीर्ष महिला शतरंज खिलाड़ी और वर्तमान विश्व रैपिड चैम्पियन ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी के विश्व क्लासिकल शतरंज चैम्पियन बनने की दिशा मे एक बड़ी सफलता मिली है । विश्व महिला शतरंज कैंडीडेट 2022 मे उनकी जगह अब तय हो गयी है । आपको बता दे की फीडे कैंडीडेट 2022 को जीतने वाली महिला खिलाड़ी ही विश्व महिला शतरंज चैम्पियन जू वेंजून को चुनौती देंगी । हम्पी को यह जगह महिला ग्रां प्री सीरीज मे शीर्ष मे रहने की वजह से हासिल हुई है , आज जैसे ही जिब्राल्टर ग्रां प्री का खिताब कजाकिस्तान की अब्दुमालिक ज़्हंसाया नें अपने नाम किया , कोनेरु हम्पी का चयन साफ हो गया । दरअसल हम्पी नें पिछले वर्ष स्कोलकोवो और मोनोको महिला ग्रां प्री मे शानदार प्रदर्शन के साथ ही 293 अंक हासिल कर लिए थे और दुर्भाग्य से कोविड के चलते वह आज सम्पन्न हुई जिब्राल्टर चैंपियनशिप मे भाग नहीं ले पायी थी ,पर बावजूद इसके वह कैंडीडेट मे जगह बनाने मे कामयाब रही ।

पहलवान मलिक डोप टेस्ट में फेल, ओलंपिक में शामिल होने पर संशय

नई दिल्ली।

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके फीस्टाइल पहलवान सुमित मलिक (पुरुष 125 किग्रा) युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग द्वारा 6-9 मई तक बुल्गारिया के शहर सोफिया में आयोजित ओलंपिक क्वालीफायर के दौरान लिए गए डोप टेस्ट में नाकाम हो गए हैं । इस वजह से उनके ओलंपिक में शामिल होने को लेकर संशय पैदा हो गया है। दिल्ली के पहलवान सुमित ने सोफिया में ही 125 किग्रा फीस्टाइल इवेंट के लिए ओलंपिक का टिकट हासिल किया था। एक सूत्र ने आईएएनएस से कहा, मलिक भले ही डोप टेस्ट में फेल हुए हैं लेकिन उन्हें टूर्नामेंटों से प्रारंभिक रूप से निलंबित नहीं किया जाएगा। हालांकि मामला बढने पर टोक्यो ओलंपिक में उनके शामिल होने पर प्रभाव पड़ सकता है। नियम के अनुसार, मलिक के यूरिन सैंपल को ए और बी में बांटा गया है। उनका ए सैंपल टेस्ट पॉजिटिव आया है जबकि बी सैंपल का टेस्ट विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के लैब में ही होगा। सेमीफाइनल में भारतीय पहलवान ने वेनेजुएला के पहलवान जोस डेनियल डियाज को 5-0 से हराते हुए रूस के सर्गेई कोजीरेव के खिलाफ फाइनल खेलने का हक हासिल किया था। वह हालांकि चोट के कारण फाइनल से हट गए थे। मलिक ने रजत पदक जीता था। सोफिया में हर वर्ग से फाइनल में पहुंचने वाले पहलवानों को ओलंपिक का टिकट मिला था। ओलंपिक का आयोजन इस साल 23 जुलाई से टोक्यो में होना है। मलिक चौथे भारतीय फीस्टाइल पहलवान है जिन्होंने पुरुष वर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल किया है। उनसे पहले रवि दहिया (57 किग्रा), बजरंग पुनिया (65 किग्रा) और दीपक पुनिया (86 किग्रा) ने भी ओलंपिक टिकट जीता है। टोक्यो ओलंपिक में अब महज 49 दिन शेष रह गए हैं और ऐसे में मलिक के डोप टेस्ट में फेल होने से भारतीय कुश्ती टीम की भावना पर असर पड़ेगा। इस बीच कोच ने कहा, चूंकि मलिक डोप टेस्ट में फेल हुए हैं, इसलिए उन्हें अब 50,000 रूपये मासिक पॉकेट भत्ता नहीं मिलेगा। बीते महीने मलिक को खेल मंत्रालय के टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के कोर ग्रुप में शामिल किया गया था।

शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी एश बार्टी हुई चोटिल होने के कारण फ्रेंच ओपन से रिटायर

पेरिस । शीर्ष रैंकिंग की एश बार्टी को बायें कूल्हे की चोट के कारण गुरूवार को फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम के दूसरे दौर के मैच से रिटायर होना पड़ा। उनकी यह चोट क्ले कोर्ट ग्रैंडस्लैम से पहले ट्रेनिंग के दौरान उभर गई थी। ऑस्ट्रेलिया की 2019 की चैम्पियन बार्टी दूसरे दौर में पोलैंड की प्रतिद्वंद्वी मैग्डा लिनेटे के खिलाफ 6-1 2-2 से पिछड़ रही थीं और इसके बाद उन्होंने इशारा किया कि वह आगे नहीं खेल पायेंगी। बार्टी ने कहा, 'यह निराशानजक है। फ्रेंच ओपन की तैयारियों के लिए बार्टी ने क्ले कोर्ट पर 13 मैच खेले थे जिसमें उन्होंने 11 में जीत हासिल की थी। जब उन्होंने मैच शुरू किया था तब उनके पैर में पट्टियां बंधी हुई थीं और वह ठीक से चल भी नहीं पा रही थीं। उन्होंने शुरूआती सेट में मेडिकल टाइमआउट भी लिया। उन्हें पहले दौर में अमेरिका की बनार्नाडा पेरा के खिलाफ जीत में भी काफी मुश्किल हुई थी और उन्होंने इसके बाद कहा था कि वह पूरी तरह से स्वस्थ नहीं हैं। बार्टी ने कहा, 'हमने सब कुछ किया, हम जो कर सकते थे वो किया ताकि मैं खेल सकूं। यह कोई चमत्कार ही था कि हम पहले दौर में कोर्ट पर उतर सके। लेकिन आज भी यह बेहतर नहीं था और फिर स्थिति काफी खराब हो गई।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

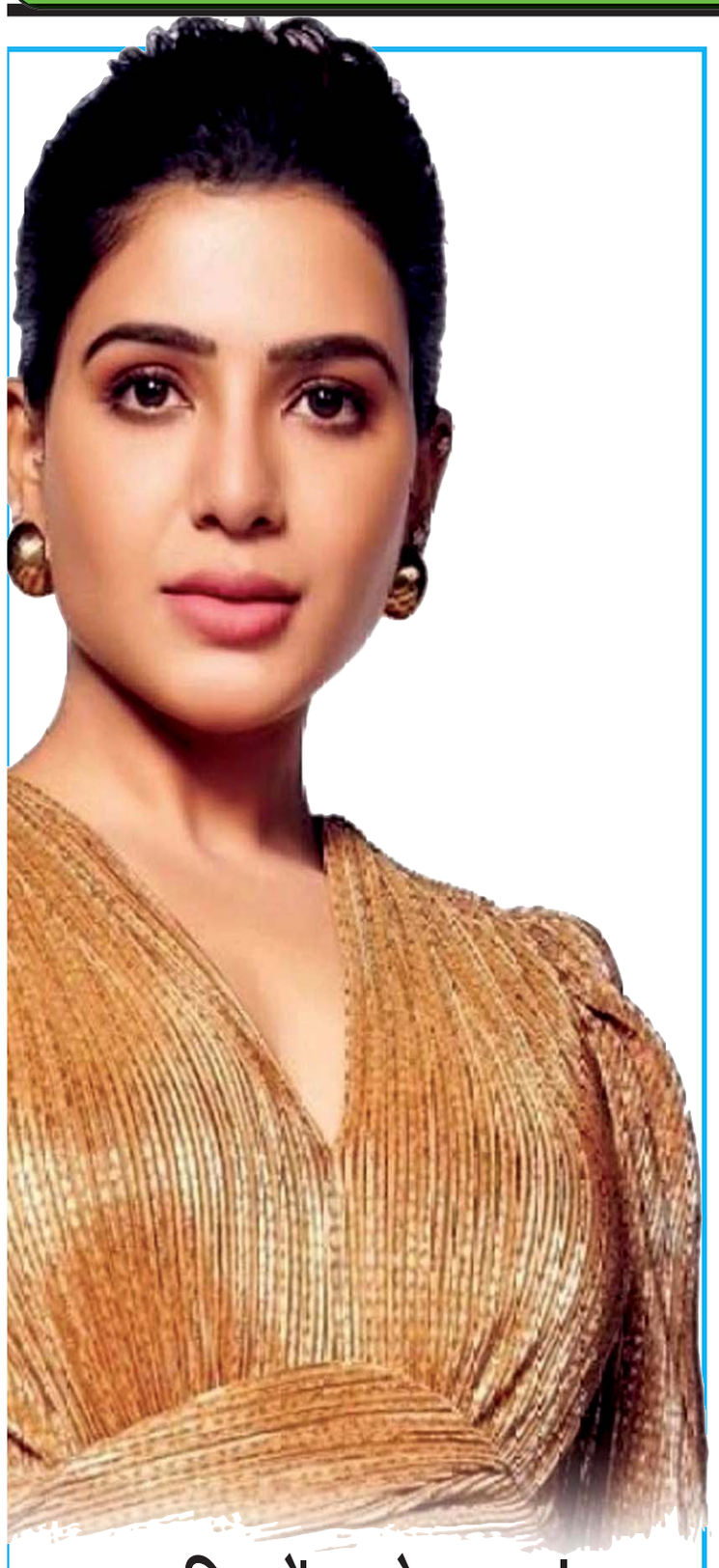

यह खासियतें एक्ट्रेस सामंथा अक्किनेनी को बनाती हैं अलग

यदि आपने उनके बारे में नहीं सुना है, तो आप निश्चित रूप से एक अलग दुनिया में जी रहे हैं। हम बात कर रहे हैं सामंथा अक्किनेनी की, जो तमिल और तेलुगु उद्योग में सबसे स्थापित अभिनेत्रियों में से एक हैं। अपने लुक्स, अपने शानदार अभिनय कौशल, बेदाग स्क्रीन उपस्थिति और बेजोड़ बहुमुखी प्रतिभा के साथ उन्होंने साउथ में सभी का दिल जीत लिया है। अब मैनस्ट्रीम हिन्दी टाइटल में भूमिका निभाने की सामंथा की इच्छा आखिरकार पूरी हो रही है क्योंकि वह 'द फैमिली मैन' के नए सीजन के साथ अपना डिजिटल डेब्यू करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। फैंस उन्हें नए सीजन में श्रीकांत तिवारी से बदला लेने वाली राजी की भूमिका निभाते हुए देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आइए पढ़िए सामंथा से जुड़े दिलचस्प तथ्य.

दिल से एक मानवतावादी

सामंथा एक बेहतरीन कलाकार होने के साथ-साथ एक एनजीओ भी चलाती हैं जिसे उन्होंने 2012 में शुरू किया था। गैर-सरकारी संगठन को प्रत्यूषा सपोर्ट कहा जाता है जो महिलाओं और बच्चों को सहायता प्रदान करता है। वह मानवता में विश्वास करती है और समाज को एक बेहतर जगह बनाने के लिए अपना काम कर रही है। वह अपने एनजीओ को सहायता प्रदान करने के साथ-साथ वह महिलाओं और बच्चों की मदद करने वाले अन्य एनजीओ को भी सहायता प्रदान करती है, साथ ही उन एनजीओ की भी मदद करती है जो सड़क पर रहने वाले जानवरों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

सीखने की ललक और उत्साह

द फैमिली मैन के नए सीजन में सामंथा के किरदार का नाम राजी है, जो श्रीकांत के प्रतिद्वंद्वी की भूमिका निभाने के अलावा एक गारमेंट फैक्ट्री में काम करती है। भूमिका को यथासंभव यथार्थवादी बनाने और दिखाने के लिए, उन्होंने वास्तव में एक असली गारमेंट फैक्ट्री में बुनाई की कला सीखी और अपनी भूमिका के लिए वर्कर्स से सहायता ली है।

इंटेंस फिसिकल ट्रेनिंग

सामंथा ने राजी की भूमिका को यथासंभव वास्तविक रूप से चित्रित करने के लिए गहन और कठोर शारीरिक प्रशिक्षण ली है और ट्रांसफॉर्मेशन से गुजरी हैं। उन्होंने हर दिन कई घंटे फिसिकल ट्रेनिंग ली थी और श्रृंखला में इस करैटर के लिए सचमुच अपना खून और पसीना बहाया है।

मेथड एटर

राजी के करैक्टर को समझने और उसके प्रति सच्चे होने की कोशिश करने के लिए, सामंथा ने इस बात पर गहन शोध किया था कि वह किरदार को स्क्रीन पर कैसे देखना चाहती हैं। उसने तीन दिनों के लिए खुद को एक कमरे में बंद कर लिया और राजी के किरदार में ढलने के लिए कई डॉक्यूमेंट्रीज देखीं।

ओटीटी पर डेयू के साथ-साथ एशन सीन भी कर रहीं

द फैमिली मैन में सामंथा का डिजिटल डेब्यू उन्हें बिल्कुल नए अवतार में पेश करेगा। यह उनकी पहली डीग्लैमराइज्ड भूमिका है जहां वह हार्डकोर एक्शन स्टंट कर रही हैं और खुद को बचाने और अपने दुश्मन से लड़ने के लिए काफी कठोर दिल हैं। सामंथा के अभिनय करियर में पहली बार, हम उन्हें बंदूक पकड़े हुए देखेंगे।

आलिया भट्ट के साथ फिर रोमांस करेंगे रणवीर सिंह

फिल्म 'गली बॉय' में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। वहीं अब खबर आ रही है कि यह जोड़ी एकबार फिर पर्दे पर रोमांस करती नजर आएंगी। दोनों करण जौहर की एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार इस फिल्म का टाइटल 'प्रेम कहानी' रखा गया है। निर्माता एक अलग लेकिन रिलेटेड टाइटल की तलाश में थे और तभी उनको प्रेम कहानी नाम पसंद आया है। खबरों के अनुसार फिल्म मई के महीने में फ्लोर पर जाने के लिए तैयार थी, लेकिन कोरोना ने निर्देशक की योजनाओं पर पानी फेर दिया। फिल्म पूरी तरह से दो अपोजिट किरदारों की लव स्टोरी है। मेकर्स ने फिल्म की शूटिंग की तैयारियां शुरू करने से पहले क्रू मेंबर्स को वैक्सीन लगवाने का प्रॉसेस शुरू किया है। सेट डिजाइनिंग से लेकर सभी ?चीज वर्क इन प्रोग्रेस में है। बताया जा रहा है कि फिल्म की टीम ने कहानी और डायलॉग को लिख कर पूरा कर लिया है। गौरतलब है कि आलिया भट्ट और रणवीर सिंह करण जौहर की पीरियड ड्रामा फिल्म 'तख्त' में भी नजर आने वाल हैं। हालांकि करण जौहर ने अभी अपने इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को होल्ड पर कर दिया है। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर, करीना कपूर, विक्की कौशल और भूमि पेडनेकर जैसे सितारे भी नजर आएंगे।

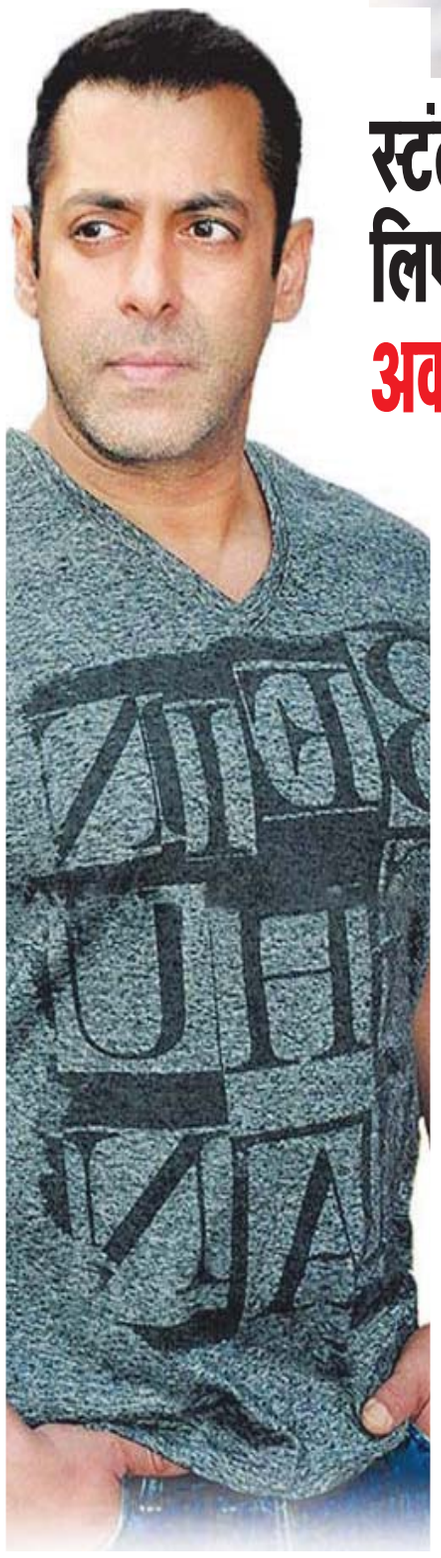

स्टंट आर्टिस्टों की मदद के लिए आगे आए सलमान खान, अकाउंट में ट्रांसफर करेंगे पैसे

कोरोनावायरस महामारी के इस दौर में कई बॉलीवुड सेलेब्स ने मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाया है। सलमान खान भी इस मुश्किल वक्त में हरसंभव मदद कर रहे हैं। वह इंडस्ट्री से जुड़े लोगों की भी मदद कर रहे हैं। अब सलमान खान फिल्मों में स्टंट करने वाले आर्टिस्टों की मदद करने के लिए आगे आए हैं। खबरों के अनुसार सलमान खान ने नेटफ्लिक्स इंडिया के साथ फिल्म स्टंट आर्टिस्ट एसोसिएशन से जुड़े कलाकारों की मदद के लिए हाथ मिलाया है। एक्शन डायरेक्टर एजाब गुलाब ने बताया कि उनके एसोसिएशन को अभी तक किसी भी तरह की मदद नहीं मिली है। लेकिन अब सलमान खान ने मदद का हाथ आगे बढ़ाया है। जिसके बाद हमें अपने मेंबर्स के अकाउंट में वो पैसे ट्रांसफर कर दिए हैं। इसके साथ ही नेटफ्लिक्स ने भी हमारे एसोसिएशन की मदद की है। जिससे उन्हें घर बैठे ही मदद मिल रही है। बता दे कि पिछले साल लगे लॉकडाउन में टाइगर श्रॉफ और अजय देवगन ने भी स्टंट आर्टिस्ट की मदद की थी। अजय ने 350 फाइटर्स के अकाउंट में 5000 हजार रुपए ट्रांसफर किए थे। जबकि टाइगर श्रॉफ ने 250 मेंबर्स की मदद के लिए राशन उपलब्ध करवाया था।

द फैमिली मैन 2 देखने के लिए बेकरार हैं सिद्धार्थ शुक्ला, मनोज बाजपेयी से की रिक्वेस्ट

सिद्धार्थ शुक्ला ने 'द फैमिली मैन' के सीजन 1 में मनोज बाजपेयी के किरदार श्रीकांत द्वारा क्रेजी एक्सक्यूज यानी बहानों की तारीफ की। अब सिद्धार्थ शुक्ला ने अपने ट्विटर हैंडल पर मनोज बाजपेयी को टैग करते हुए उनमें से कुछ बहाने सिखाने की रिक्वेस्ट की है। बॉलिवुड ऐक्टर मनोज बाजपेयी की वेब सीरीज 'द फैमिली मैन 2' जल्द ही रिलीज होने वाली है। फैंस ने सीरीज का ट्रेलर काफी पसंद किया और इसके रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब 'बिग बॉस' के सीजन 13 विनर और ऐक्टर सिद्धार्थ शकुला को बेब सीरीज में मनोज बाजपेयी के किरदार श्रीकांत की क्वॉलिटी ने हैरान कर दिया है। ट्रेलर देखने के बाद सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल ने काफी तारीफ की थी। अब सिद्धार्थ शुक्ला ने एक बार फिर ट्वीट कर कहा है कि वह वेब सीरीज के रिलीज होने का इंतजार नहीं कर सकते और मनोज बाजपेयी से एक रिवेस्ट भी की। सिद्धार्थ शुक्ला ने 'द फैमिली मैन' के सीजन 1 में मनोज बाजपेयी के किरदार श्रीकांत द्वारा क्रेजी एक्सक्यूज यानी बहानों की तारीफ की। अब उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर मनोज बाजपेयी को टैग करते हुए उनमें से कुछ बहाने सिखाने की रिक्वेस्ट की है। इसके अलावा उन्होंने वेब सीरीज को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया है। सिद्धार्थ शुक्ला ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'सीजन 1 में बहाने तो क्रेजी थे, हमें भी सिखा दो थोड़े बनाना मनोज बाजपेयी जी, काम आएंगे। द फैमिली मैन 2 के लिए उत्साहित हूं जो श्रीकांत वापस लाएंगे।' मनोज बाजपेयी ने सिद्धार्थ शुक्ला को जबाव देते हुए लिखा, 'हाहाहाहा' इससे पहले 'द फैमिली मैन 2' का ट्रेलर देखने के बाद शहनाज गिल ने ट्वीट किया था। उन्होंने लिखा था, 'फैमिली मैन ट्रेलर देखकर मजा आ गया। सिद्धार्थ शुक्ला सीजन 1 वापस देखना बनता है, या कहते हो?' इस पर सिद्धार्थ शुक्ला ने जवाब देते हुए लिखा, 'श्री श्री श्रीकांत जी, को वापस देखना ही पड़ेगा। या कड़क ट्रेलर है।' मनोज बाजपेयी की वेब सीरीज 'द फैमिली मैन 2' 4 जून को रिलीज होने वाली है। इस वेब सीरीज में मनोज बाजपेयी के अलावा सामंथा अक्किनेनी शारिब हाशमी, नीरज माधव, पवन चोपड़ा, गुल पनाग, श्रेया धनवंतरि, प्रियामणि, सीमा बिस्वास, दर्शन कुमार, शरद केलकर, सनी हिंदुजा, शहाब अली और वेदांत सिन्हा जैसे ऐक्टर्स भी नजर आएंगे।

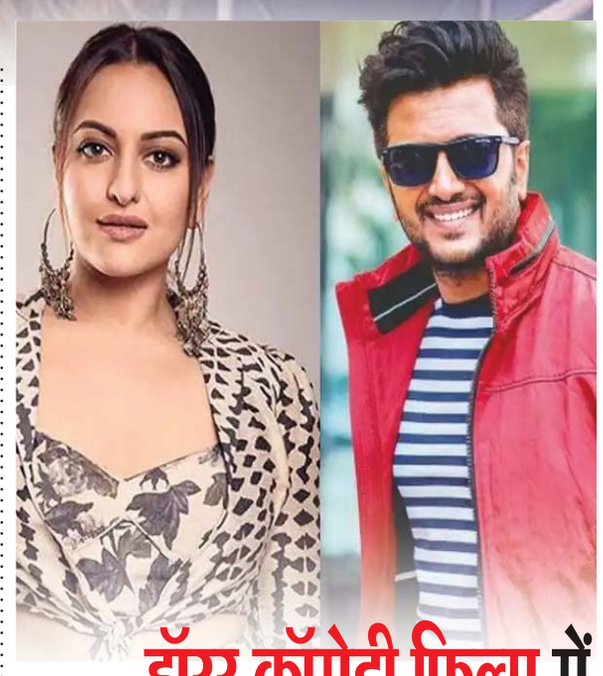

हॉरर कॉमेडी फिल्म में रितेश देशमुख के साथ नजर आएंगी सोनाक्षी सिन्हा!

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा के पास इस समय कई प्रोजेक्ट की लाइन लगी हुई है। अब खबरें आ रही है कि सोनाक्षी के हाथ एक और फिल्म लग गई हैं। इस फिल्म में वह पहली बार रितेश देशमुख के साथ नजर आने वाली हैं। खबरों के अनुसार सोनाक्षी सिन्हा हॉरर कॉमेडी फिल्म में काम करने जा रही हैं। इस फिल्म को रोनी स्क्रूवाला बना रहे हैं। बताया जा रहा है। सोनाक्षी और रितेश इस फिल्म के लिए हां कर चुके हैं। वहीं फिल्म की तैयारियां भी शुरू हो चुकी है। बताया जा रहा है। इस फिल्म के निर्देशक के लिए किसी डेब्यू निर्देशक को भी साइन किया गया है। इस फिल्म की शूटिंग राजस्थान में की जाएगी। सब कुछ सही रहा तो इसी साल सितंबर में शूटिंग शुरू हो जाएगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा भुज, बुलबुल तरंग और फालन जैसी फिल्मों में नजर आने वाली हैं। वहीं रितेश देशमुख इन दिनों शशांक घोष की फिल्म का काम पूरा करने में जुटे हुए हैं।

कुछ महीने पहले उठाई थी बांसुरी

अभिनेत्री अदा शर्मा का कहना है कि वह बांसुरी बजाना सीख रही हैं उन्होंने कहा, ''मैंने कुछ महीने पहले बांसुरी उठाई थी जब लॉकडाउन में ढील दी गई थी और शूटिंग फिर से शुरू हो गई थी। मुझे पियानो बजाना बहुत पसंद है, लेकिन बांसुरी मैं अपने बैग में ले जाती हूं, (और शूटिंग के बीच वैन में) बजाती हूं।''अदा ने पिछले साल भी बांसुरी में अपनी रुचि का जिक्र किया था। अक्टूबर 2020 में पोस्ट किए गए एक इंस्टाग्राम वीडियो में अदा ने एक बांसुरी वादक द्वारा बजाई गई धुन को कैद किया था। वह अपनी सोशल मीडिया उपस्थिति का उपयोग संगीतकार की मदद करने के लिए कर रही थी, जो लॉकडाउन के दौरान खाली सड़कों पर जीवन यापन करने के लिए संघर्ष कर रहा था। उन्होंने अपने अनुयायियों को उसके जैसे लोगों से संपर्क करने, उससे बांसुरी खरीदने और 'बांसुरीवाले भैया' से कला सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने उस समय अपनी पोस्ट में यह भी कहा था कि उनके प्रशंसकों को 'जल्द ही मुझे वीडियो में बांसुरी बजाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।' अब ऐसा लगता है कि अदा आखिरकार एक बांसुरी वादक के रूप में अपने कौशल का समान कर रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मिस्र में किशोर निरुद्ध केन्द्र में लगी भीषण आग, छह बच्चों की मौत; 24 घायल

काहिरा। मिस्र की राजधानी काहिरा में एक किशोर निरुद्ध केन्द्र में बृहस्पतिवार को आग लग गई, जिसमें कम से कम छह बच्चों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि शहर के मार्ज जिला स्थित केन्द्र के एक वार्ड में दो बच्चों के बीच झगड़े के बाद आग लग गई। इसमें 24 से अधिक बच्चे घायल भी हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस केन्द्र के संचालकों से पूछताछ कर रही है और आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। सरकारी मीडिया के अनुसार, आग लगने का सटीक कारण अभी पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक जांच से लगता है कि आग लगने की वजह शॉट-सर्किट हो सकती है। सरकारी समाचार पत्र 'अखबार अल-योम' की खबर के अनुसार, वार्ड में ताला लगे होने के कारण बच्चे वहां से भाग नहीं पाए। मिस्र में सुरक्षा मानकों और दमकल नियमों का कड़ाई से पालन नहीं किया जाता है और इस कारण कई लोगों की जान गई है। मार्च में भी काहिरा के पास कपड़े की एक फैक्ट्री में आग लग गई थी, जिसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हुई थी और अन्य 24 घायल हुए थे। देश की आधिकारिक सांख्यिकी एजेंसी के अनुसार, 2020 में मिस्र में आग लगने की करीब 52 हजार घटनाएं हुई, जिसमें 199 लोग मारे गए। वहीं, 2019 में ऐसी 50,660 घटनाओं में 252 लोग मारे गए थे।

सर्बिया में सेना की फैक्ट्री में अनेक विस्फोट, लोगों को सुरक्षित निकाला गया

बेलग्राद (सर्बिया)। मध्य सर्बिया में सेना की आयुध फैक्ट्री में बृहस्पतिवार देर रात करीब डेढ़ बजे कई विस्फोट हुए जिसके कारण वहां काम करने वाले कर्मचारियों तथा नजदीक के इलाकों में रहने वाले लोगों को वहां से निकालना पड़ा हालांकि गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। विस्फोट बेलग्राद से 140 दूर दक्षिण में कासाक स्थित स्लोबोदा फैक्ट्री के आयुध डिपो में हुए। यहां एक के बाद एक कई विस्फोट हुए तथा भयंकर आग लग गई। पुलिस ने इलाके को सील कर दिया है। घटना का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। सर्बिया के मीडिया में आई खबरों के मुताबिक शुक्रवार सुबह तक भी विस्फोटों की आवाज आती रही। अधिकारियों ने बताया कि दमकलकर्मी हालात का जायजा लेने के लिए 24 घंटे बाद ही फैक्ट्री के भीतर जा सकेंगे।

चीन में बड़ा ट्रेन हादसा, रेलवे के नौ कर्मचारियों की मौत

बीजिंग। उत्तर पश्चिमी चीन के गांसु प्रांत में शुक्रवार को रेलवे के मरम्मत कर्मचारियों के ट्रेन की चपेट में आने से नौ कर्मचारियों की मौत हो गई। हादसा सुबह करीब पांच बजकर 19 मिनट पर जिनचांग शहर के पास हुआ। सरकारी समाचार पत्र 'चाइना डेली' की खबर के अनुसार, हादसे में रेलवे के नौ कर्मचारियों की मौत हो गई।

बगदाद में एक रेस्तरां में गैस सिलेंडर फटा, तीन लोगों की मौत; 16 घायल

बगदाद। उत्तर-पश्चिमी बगदाद में एक रेस्तरां में बृहस्पतिवार शाम एक गैस सिलेंडर में विस्फोट होने से तीन लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हुए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सेना ने एक बयान में बताया कि कधमिया जिले में एक रेस्तरां में गैस के एक सिलेंडर में विस्फोट हो गया। उन्होंने कहा कि इसमें कई लोग हताहत हुए हैं। दो स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई है तथा 16 लोग घायल हैं, घायलों में से कुछ की हालत गंभीर है। पहले, इराक की राजधानी से विस्फोट की खबरें आती रहती थीं लेकिन 2017 में इस्लामिक स्टेट समूह की हार के बाद इनमें काफी कमी आई है। यहां जनवरी में दो आत्मघाती हमले हुए थे, जिसमें 30 से अधिक लोग मारे गए थे और कई घायल हो गए थे।

बहरीन में चीनी टीके लगवाने वाले कुछ लोगों को फाइजर की बूस्टर डोज लगेगी

दुबई। बहरीन में कुछ लोगों को चीन के सिनोफार्म के टीके की दो खुराक लेने के छह महीने बाद फाइजर-बायोएनटेक के टीके की बूस्टर डोज लगाना शुरू किया गया है। पश्चिम एशिया का यह द्वीपीय देश प्रति व्यक्ति टीकाकरण के लिहाज से दुनिया के सबसे शीर्ष देशों में शामिल होने के बावजूद कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। ऐसे में दो तरह के टीके लगाने की अनुमति दी गयी है। सरकार के 'बीअवेयर' मोबाइल फोन ऐप पर बहरीन निवासियों को फाइजर या सिनोफार्म के टीकों की बूस्टर खुराक लगवाने के लिए पंजीकरण की अनुमति दी गयी थी। हालांकि सरकार ने अब सिफारिश की है कि 50 साल से अधिक उम्र के लोग तथा कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग फाइजर का बूस्टर डोज लें, भले ही उन्होंने पहले सिनोफार्म का टीका लगवाया हो।
बहरीन सरकार और वहां के स्वास्थ्य अधिकारियों तथा विदेशों में उसके दूतावासों के अधिकारियों ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया के लिए एसोसिएटिड प्रेस के अनुरोध का जवाब नहीं दिया। सिनोफार्म के अधिकारियों की भी प्रतिक्रिया अभी नहीं मिल सकी है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने बृहस्पतिवार के संस्करण में बहरीन के स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी वालिद खलीफा अल-मानिया के हवाले से कहा था कि सिनोफार्म उच्च स्तर की सुरक्षा प्रदान करता है। लेकिन उन्होंने यह भी माना कि विशेष जरूरत वालों को फाइजर के टीके लगाये जा रहे हैं। उन्होंने इस फैसले की वजह नहीं बताई।

अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी का फायदा उठाने में जुटा चीन, पाकिस्तान के साथ मिलकर बढ़ा रहा दखल

बीजिंग। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के साथ मिलकर चीन अफगानिस्तान में दखल बढ़ाना चाहता है। अमेरिकी सैनिकों की वापसी का फायदा उठाने के लिए उसने कोशिशें भी तेज कर दी हैं। इसके तहत अफगानिस्तान के साथ रक्षा और आर्थिक सहयोग बढ़ाने की बात कह रहा है। शिन्हुआ न्यूज ने खबर दी है कि चीन, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बात की और इस बात पर सहमति जताई कि विदेशी सैनिकों की वापसी इस तरह होनी चाहिए कि अफगानिस्तान में सुरक्षा के हालात फिर ना खराब हों और 'आतंकी ताकतों' को वापसी का मौका ना मिले।

एजेंसी के मुताबिक, चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि अफगानिस्तान और पड़ोसी देशों के हित के लिए तीनों देशों को संवाद और सहयोग बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'अफगानिस्तान और क्षेत्रीय सुरक्षा, स्थिरता के सामने नई चुनौतियां हैं। अफगानिस्तान से विदेशी सैनिकों की वापसी तेज हो चुकी है, शांति और सुलह की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है और सशस्त्र संघर्ष व आतंकी गतिविधियां तेज हो रही हैं।'

अफगानिस्तान में अमेरिका और सहयोगी बलों की मौजूदगी को लेकर चीन लंबे समय से नाराजगी जाहिर करता रहा है। लेकिन उसे चिंता भी है कि यदि अफगानिस्तान विद्रोहियों के लिए फिर ठिकाना बन गया तो उसके लिए भी खतरा बढ़ जाएगा, क्योंकि शिंजियांग प्रांत की कुछ सीमा इससे मिलती है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद हनीफ अतमर और पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने भी इस बात पर जोर दिया कि किसी आतंकी संगठन या व्यक्ति को आपराधिक गतिविधियों के लिए इस भूमि का इस्तेमाल ना करने दिया जाए।

चीन अफगानिस्तान के संसाधनों खासतौर पर कॉपर में निवेश करना चाहता है, लेकिन सरकार और तालिबान के बीच लगातार चल रहे टकराव की वजह से वह प्रॉजेक्ट्स शुरू नहीं कर पाया है। चीन बेल्ड एंड रोड इनिशिटिव के जरिए पाकिस्तान के साथ भी रिश्ता मजबूत करना चाहता है, लेकिन देश की गरीबी और सुरक्षा वजह से उसे इसमें भी पूरी सफलता नहीं मिली है।

भारत सहित अन्य देशों को मिलेगी दो करोड़ 50 लाख खुराकें, बाइडेन प्रशासन की हो रही तारीफ

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

शीर्ष अमेरिकी सांसदों, कारोबारी सूमहों और भारतीय अमेरिकियों ने भारत सहित अन्य देशों को कोरोना वायरस संक्रमण रोधी टीकों की दो करोड़ 50 लाख खुराकें भेजने के बाइडन प्रशासन के कदम का स्वागत किया है। सांसद मिट रोमनी ने बृहस्पतिवार को कहा,'' यह एक पहला अच्छा कदम है। मैं प्रशासन से अपने वैश्विक टीका आवंटन कार्यक्रम में तेजी लाने का अनुरोध करता हूं, यह कार्यक्रम तत्काल जरूरत और क्षेत्रीय प्राथमिकता की योजना पर केन्द्रित हो। मैं टीकों की दूसरी खेप शीघ्र आवंटित किए जाने को ले कर आशान्वित हूं।'' उन्होंने कहा,'' ताइवान और भारत जैसे देशों को कोविड-19रोधी टीकों की बेहद जरूरत है, ऐसे में मुझे प्रसन्नता है कि प्रशासन वैश्विक टीका आपूर्ति योजना पर क्रियान्वयन की दिशा में बढ़ रहा है। अमेरिकी टीके चीन और रूस से आ रहे टीकों के मुकाबले कहीं अधिक सुरक्षित और असरदार हैं।'' सांसद ग्रेस मेंग ने भारत, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका और एशिया के अन्य देशों के लिए टीके भेजने की योजना की घोषणा करने के लिए बाइडन प्रशासन की सराहना की। अमेरिकी चेंबर ऑफ कॉमर्स ने एक बयान जारी करके वैश्विक टीका उत्पादन में तेजी लाने और टीके तक पहुंच को व्यापक बनाने के प्रयासों का स्वागत किया। अमेरिका चेंबर ऑफ कॉमर्स के कार्यकारी उपाध्यक्ष मायरॉन ब्रिलियंट ने कहा,'' दुनिया भर के देश स्वास्थ्य संकट से निपटने में संघर्ष कर रहे हैं, हम जानते हैं कि इसे और अधिक किया जा सकता है तथा किया जाना चाहिए। अमेरिका में मांग से ज्यादा आपूर्ति होने के कारण प्रशासन को अतिरिक्त खुराकें वैश्विक आपूर्ति के लिए देनी चाहिए।'' फिजीशियन डॉ विजय जी प्रभाकर ने इसे अमेरिका-भारत संबंधों के लिए ''सकारात्मक कदम'' बताया।

तीन बच्चों की नीति से खुश नहीं चीनी कामकाजी महिलाएं, कितनी सही है ड्रैगन की यह पॉलिसी

लंदन। (एजेंसी)।

(द कन्वरसेशन) चीन ने अपने यहां दम्पतियों को तीन बच्चे पैदा करने की अनुमति देने की नई नीति लागू की है। दो बच्चों की पिछली सीमा के स्थान पर लागू की गई इस नीति को बढ़ती जनसंख्या संबंधी चिंताओं और धीमी जन्म दर का जवाब देने का एक प्रयास माना जा रहा है। लेकिन कामकाजी महिलाओं और उनके परिवारों के लिए नीति के निहितार्थ का मतलब है कि केवल कुछ ही खुली बांहों से इस बदलाव का स्वागत करेंगे। चीन में बढ़ती जनसंख्या एक गंभीर चिंता का विषय है। नवंबर 2020 में नवीनतम राष्ट्रीय जनगणना के अनुसार, देश में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों की संख्या 26 करोड़ - अर्थात कुल जनसंख्या के 18.7 प्रतिशत तक पहुंच गई है। 2050 तक, यह संख्या बढ़कर 50 करोड़ होने की उम्मीद है।

हालांकि दुनिया भर में समाज बूढ़े हो रहे हैं, चीन में शामिल लोगों की संख्या (वैश्विक आबादी का लगभग 20 प्रतिशत), उनके अपेक्षाकृत कम आय स्तर और देश के आर्थिक विकास के चरण के कारण चीन में चुनौतियां अधिक बड़ी हैं। बेहतर जीवन स्तर ने हालांकि जीवन प्रत्याशा में वृद्धि की है, राज्य की परिवार नियोजन नीति - ''एक बच्चे की नीति'' - ने वृद्धावस्था के रूख में सबसे अधिक योगदान दिया है। इस नीति को औपचारिक रूप से 1979 में इस चिंता के जवाब में पेश किया गया था कि अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि आर्थिक विकास और आधुनिकीकरण को खतरे में डाल देगी, और शहरी क्षेत्रों मेंजुर्माना और अन्य दंडात्मक उपायों के माध्यम से इसे सख्ती से और प्रभावी ढंग से लागू किया गया था। इस नीति को लागू किए जाने के लगभग चार दशक बाद, एक बच्चे की नीति की पहली पीढ़ी के बच्चे अब खुद माता-पिता बन गए हैं और उनके कंधों पर अपने दो माता-पिता और चार दादा-दादी को संभालने की संभावित जिम्मेदारी है। जनसंख्या के इस उलटे पिरामिड को ठीक करने के लिए, सरकार ने 2015 में एक बच्चे की नीति को समाप्त कर दिया, इसके स्थान पर दो बच्चे पैदा करने की इजाजत देने वाली एक राष्ट्रीय नीति की शुरुआत की।

चूंकि सरकार पहले से ही (1980 के दशक के मध्य से) ग्रामीण जोड़ों को, पहली संतान लड़की होने पर, दूसरा बच्चा पैदा करने की अनुमति दी थी, तो जाहिर है कि इस नई नीति ने शहरी आबादी को लक्षित किया। लेकिन बीजिंग और शंघाई जैसे बड़े शहरों में जहां बच्चों की देखभाल के पर्याप्त केन्द्र न होने और परिवार के साथ रहने की बढ़ती लागत को देखते हुए, कुछ जोड़ों - सिर्फ 5 प्रतिशत या 6 प्रतिशत - ने दूसरे बच्चे का विकल्प चुना। नयी तीन बच्चों की नीति ने चीनी नागरिकों के बीच ऑनलाइन चर्चा को जन्म दिया है, जिसमें कई लोगों ने नागरिकों के बच्चे पैदा करने के निर्णयों में हेरफेर करने के लिए सरकार के नए प्रयासों पर सदमा और नाराजगी व्यक्त की है। कुछ ने एक बच्चे की नीति की अवधि से संबंधित पिछली सरकार के नारों की तस्वीरें ऑनलाइन पोस्ट कीं। महिलाओं के बीच सोशल मीडिया चर्चाओं में टिप्पणी की गई है कि नयी नीतिगत पहल उनके रोजगार और पारिवारिक जीवन को कैसे प्रभावित करेगी, यह देखते हुए कि चीन में बच्चों की देखभाल का जिम्मा महिला का होता है। केवल एक बहुत ही छोटे वर्ग को उम्मीद थी कि तीन बच्चे पैदा करने की नीति के कार्यान्वयन से आवास, शिक्षा, चिकित्सा और वृद्धावस्था देखभाल सुविधाओं में सुधार होगा। शहरी बनाम ग्रामीण इस नयी नीति का प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि आप चीन में कहां रहते हैं। प्रमुख शहरों और प्रांतीय राजधानियों में, चीनी पारिवारिक जीवन के मेरे पांच साल के अध्ययन से पता चलता है कि 1980 के दशक में पैदा हुए जोड़ों के केवल एक बहुत ही छोटे अनुपात - ''एकमात्र बच्चा पैदा करने वाली पीढ़ी'' का पहला समूह - ने दूसरा बच्चा पैदा किया, हालांकि एक बार उन्हें इसकी अनुमति थी। इसलिए ऐसा लगता नहीं है कि 1980 के दशक के जोड़े तीन-बच्चे पैदा करने की अनुमति का लाभ उठाएंगे।

भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम को हुए 100 दिन पूरे, जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर क्या बोला पाक?

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम बहाल होने से नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर शांति लाने में मदद मिली है। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों की सेनाएं 25 फरवरी को जम्मू-कश्मीर से लगती नियंत्रण रेखा पर संघर्षविराम समझौते को कड़ाई से लागू करने पर सहमत हुई थीं।

विदेश कार्यालय के प्रवक्ता जाहिद हफीज चौधरी ने दोनों देशों के बीच संघर्षविराम लागू होने के 100 दिन पूरे होने पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, '' हमारा मानना है कि इससे नियंत्रण रेखा पर शांति लाने में मदद मिली है जिससे एलओसी के दोनों ओर रह रहे कश्मीरियों को कुछ राहत मिली।'' शांति के लिए और पहल करने के सवाल पर चौधरी ने कहा, ''हमारा मानना है कि भारत को सार्थक और नतीजापरक वार्ता के लिए माहौल बनाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हम लगातार कह रहे हैं कि जम्मू-कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच मुख्य मुद्दा है व इसका समाधान संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव और कश्मीरियों की इच्छाओं के अनुरूप होना चाहिए।

नेतन्याहू को हटाने के लिए एक हुआ पूरा विपक्ष, कमांडो रहा ये शख्स अब चलाएगा सरकार

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

इजरायल में सत्ता परिवर्तन हो गया है और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की कुर्सी जा चुकी है। अब इजरायल में प्रधानमंत्री के पद को नेप्टाली बेनेट संभालने जा रहे हैं। इजरायल की सत्ता में पहली बार 1948 के बाद एक अरबी पार्टी सरकार का हिस्सा बनेगी। आज तक कोई भी अरब की पार्टी इजरायल में किसी भी सरकार का हिस्सा नहीं रही है। इजरायल में जो सत्ता परिवर्तन हुआ है वो बेहद ही नाटकीय ढंग से हुआ है। कुछ वक्त पहले ही इजरायल में चुनाव हुए और न तो किसी पार्टी को और न ही किसी लीडर को स्पष्ट जनादेश मिला। इजरायल में सरकार बनाने की कवायद चल ही रही थी कि फिलिस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास और इजरायल के बीच जंग शुरू हो गई। जिसके बाद वहां के कार्यकारी प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इजरायल को संभाला। आज इजरायल में सरकार बनाने की प्रक्रिया पूरी हुई जिसके बाद नेतन्याहू को कुर्सी छोड़नी पड़ी।

नेतन्याहू को हटाने के लिए एक हुआ पूरा विपक्ष

इजरायल में अभी तक के इतिहास में किसी भी एक पार्टी को बहुमत नहीं मिल सका है। इसलिए, 12 साल से इजरायल की सत्ता पर काबिज बेंजामिन नेतन्याहू को हटाने के लिए पूरा विपक्ष एकजुट हो गया है। विपक्षी गठबंधन में दक्षिणपंथी रूझान रखने वाली यामिना पार्टी, मध्यमार्गी येश एटिड पार्टी और मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व करने वाली राम पार्टी शामिल हैं। येश अतीद पार्टी के नेता याइर लापिद ने आठ पार्टियों के गठबंधन सरकार बनाने की घोषणा की। नियमित आवर्तन (रोटेशन) की नीति के तहत यामिना पार्टी के नफ़्ताली बेनेट पहले प्रधानमंत्री होंगे और उनके बाद लापिद देश के प्रधानमंत्री होंगे। लापिद ने राष्ट्रपति रूवेन रिवलिन और 'नेसेट' के स्पीकर यारिव लेविन को बुधवार मध्यरात की समय सीमा खत्म होने से मात्र आधे घंटे पहले इस फैसले की जानकारी दी।

इजरायली सेना में कमांडो भी रह चुके

नेप्टाली बेनेट पहले नेतन्याहू के साथ थे लेकिन अब विरोधी हो गए। 50 वर्षीय बेनेट का जन्म इजरायल के हाइफा शहर में हुआ था। वो धार्मिक तौर पर यहूदी हैं। वैसे बेनेट नेतन्याहू के साथ सरकार में रहते हुए वित्त मंत्रालय और शिक्षा जैसे अहम विभाग देख चुके हैं। बेनेट इजरायली सेना में कमांडो भी रह चुके हैं। उन्हें कट्टर यहूदी माना जाता है और वे अपने सिर पर किपाह टोपी भी पहनते हैं। किपाह एक प्रकार की धार्मिक टोपी होती है जिसे यहूदी लोग पहनते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि बेनेट के सत्ता में आने से ही आतंकी संगठन हमास की मुश्किलें औ बढ़ सकती है।

न्यूयॉर्क का माउंट सिनाई अस्पताल वेंटिलेटर, पीपीई किट, मास्क भारत भेजेगा

न्यूयॉर्क। शहर का माउंट सिनाई अस्पताल भारत में कोविड राहत प्रयासों के लिए वेंटिलेटर, पीपीई किट, मास्क और सैनेटाइजर दान कर रहा है। अस्पताल ने 10 वेंटिलेटर, सर्किट, पीपीई किट, फेस शील्ड, डिजिटल थर्मामीटर, एन95 मास्क और हैंड सैनेटाइजर समेत कई आवश्यक चिकित्सीय आपूर्तियां प्रवासी संगठन एसोसिएशन ऑफ इंडियंस इन अमेरिका (एआईए) को दिए हैं। जयपुर फुट यूएसए भारत तक इन आपूर्तियों की खेप भेजेगा और फिर इसे विभिन्न राज्यों में वितरित करेगा। माउंट सिनाई में बृहस्पतिवार को एक संक्षिप्त समारोह के दौरान, एआईए अध्यक्ष डॉ उर्मिलेश और सचिव डॉ ऊषा बंसल ने अहम आपूर्तियां भारत को दान देने के लिए माउंट सिनाई अस्पताल का और उनके अध्यक्ष डॉ डेविड रीच का धन्यवाद किया। समारोह में माउंट सिनाई हेल्थ सिस्टम के क्लिनिकल इनोवेशन के अध्यक्ष रॉबी फ्रीमैन भी उपस्थित थे। जयपुर फुट यूएसए के प्रमुख प्रेम भंडारी ने प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ सामीन शर्मा, इंटरवेंशनल एंड क्लिनिकल कार्डियोलॉजी के निदेशक और माउंट सिनाई हार्ट नेटवर्क के निदेशक एवं अध्यक्ष को इस सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए उनके प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त किया। भंडारी ने कहा कि ऐसा शर्मा के प्रयासों के कारण हुआ है कि अहम चिकित्सा उपकरण भारत में जरूरतमंद अस्पतालों एवं मरीजों तक पहुंच पाया है जो कोरोना वायरस की दूसरी प्रलकारी लहर का सामना कर रहा है। भंडारी ने रीच और फ्रीमैन के साथ-साथ माउंट सिनाई अस्पताल का भी सहयोग एवं प्रयासों के लिए शुक्रिया किया। उन्होंने कहा कि ये उपकरण जयपुर फुट यूएसए के मूल संगठन भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति-बीएमवीएसएस के माध्यम से उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और नई दिल्ली समेत कई राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के विभिन्न परोपकारी अस्पतालों को वितरित किए जाएंगे।

गुप्ता बंधु भ्रष्टाचार मामला- भारतीय मूल का दक्षिण अफ्रीकी कारोबारी इकबाल मीर शर्मा गिरफ्तार

जोहानिसबर्ग। भारतीय मूल के कारोबारी गुप्ता परिवार से जुड़े धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के मामले में बृहस्पतिवार को इकबाल मीर शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया जो एक समय यहां व्यापार तथा उद्योग विभाग में दक्षिण अफ्रीकी सरकार के प्रभावशाली अधिकारी थे। शर्मा को फ्री स्टेट प्रांत के तीन अन्य पूर्व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आरोपी बनाया गया है जिन्होंने कथित तौर पर सरकारी धन के व्यय से संबंधित प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया। आरोप हैं कि शर्मा ने अपनी कंपनी न्यूलैंड इन्वेस्टमेंट के माध्यम से दो करोड़ रैंड से ज्यादा राशि को काले धन से सफेद में बदला। यह राशि एक व्यवहार्यता अध्ययन के लिए फ्री स्टेट राज्य के कृषि विभाग द्वारा जारी की गई, जबकि इस काम की अनुमानित लागत 15 लाख रैंड थी। इस अध्ययन में पता लगाना था कि एस्टिना डेयरी फार्म परियोजना से छोटे अश्वेत किसानों को लाभ मिलेगा या नहीं। यह परियोजना भारतीय कंपनी पारस के साथ साझेदारी में संचालित की गई। एस्टिना परियोजना बुरी तरह विफल हो गई और आरोप हैं कि इस उपक्रम से लाखों रैंड गुप्ता परिवार को हस्तांतरित किये गये। गुप्ता परिवार पर अनेक सरकारी तथा अर्द्धसरकारी संस्थानों से अरबों रैंड का गबन करने का आरोप है। गुप्ता बंधु - अजय, अतुल और राजेश अपने परिजन के साथ दुबई में स्व-निर्वासन में हैं। दक्षिण अफ्रीकी सरकार संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से उन्हें प्रत्यर्पित कराने का प्रयास कर रही है क्योंकि दोनों देशों के बीच कोई प्रत्यर्पण संधि नहीं है। शर्मा की कंपनी न्यूलैंड ने अध्ययन का काम दो कंपनियों को सौंप दिया जिन्होंने विभाग से 2.4 करोड़ रैंड की राशि ली। राष्ट्रीय अभियोजन प्राधिकार के जांच निदेशालय में प्रवक्ता एस सेबोका ने कहा, ''हमारा आरोप है कि धनराशि के गबन के लिए एक और कंपनी को काम सौंपा गया तथा सहायक कंपनी को वही काम करना था जो पहले ही किया जा चुका था।'' शर्मा और कृषि विभाग के पूर्व प्रमुख पीटर टेबेथा को सात जून को उनके औपचारिक जमानत आवेदन पर निर्णय आने तक हिरासत में भेजा गया है। शर्मा ने 2002 में दक्षिण अफ्रीका के व्यापार और उद्योग विभाग के निदेशक के नाते जोहानिसबर्ग में प्रमुख कारोबारी नेताओं के साथ तीन दिन की बैठक में भारतीय वाणिज्य सचिव दीपक चटर्जी के साथ भाग लिया था। यह बैठक भारत दक्षिण अफ्रीका वाणिज्यिक गठबंधन (इसाका) के माध्यम से दोनों देशों के बीच सहयोग को फिर से बढ़ाने के लिए हुई थी। तब शर्मा ने कहा था, ''ऐतिहासिक रूप से हमारे मजबूत राजनीतिक तथा सांस्कृतिक संबंध रहे हैं, लेकिन हमारे संबंधों के आर्थिक आयाम को इसाका ने मजबूती प्रदान की है जिसकी स्थापना 1997 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल की दक्षिण अफ्रीका यात्रा के बाद की गयी थी।''

फाइजर वैक्सीन भारत में पाए गए कोरोना वायरस के डेल्टा वेरिएंट के खिलाफ है कमजोर : स्टडी रिपोर्ट

लंदन। (एजेंसी)।

भारत में फाइजर की वैक्सीन को मंजूरी मिलने से पहले मेडिकल जर्नल लेसेंट में छपी एक रिपोर्ट ने चिंता बढ़ा दी है। इसमें कहा गया है कि फाइजर-बायोएनटेक टीके की दोनों डोज ले चुके लोगों में डेल्टा वेरिएंट के खिलाफ मूल वायरस की तुलना में पांच गुना कम एंटीबॉडी है। डेल्टा वेरिएंट कोरोना का वह स्वरूप है जो सबसे पहले भारत में पकड़ में आया था और इसे दूसरी लहर के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है।

स्टडी में यह भी कहा गया है कि वायरस को पहचानने और इसके खिलाफ लड़ने वाला एंटीबॉडी अधिक उम्र के लोगों में कम पाई जा रही है। इसका स्तर समय के साथ कम होता है। इसका मतलब है कि संवेदनशील लोगों को अतिरिक्त बूस्टर डोज की आवश्यकता होगी। यह ब्रिटेन सरकार के उस प्लान को सही साबित करता है जिसके तहत दो डोज के बीच अंतर को घटाया जा रहा है। उन्होंने पाया कि फाइजर के एक टीके के बाद लोगों में क्ल1.617.2 वेरिएंट के खिलाफ कम एंटीबॉडी उत्पन्न हो रही है। यह अध्ययन 250 लोगों के खून की जांच में पाए गए एंटीबॉडी के विश्लेषण के जरिए किया गया, जिन्होंने फाइजर का एक या दोनों टीका लगवा लिया था। विशेषज्ञों ने 5 अलग वेरिएंट वाले वायरस को सेल्स में घुसने से रोकने के लिए एंडीबॉडी की क्षमता जांची, जिसे न्यूट्रलाइजिंग एंटीबॉडी कहा जाता है। यह रिपोर्ट ऐसे समय पर आई है जब भारत में जल्द ही इस वैक्सीन को मंजूरी मिल सकती है। कई देशों में 12-18 वर्ष तक के किशोरों को भी यह टीका लगाया जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राज्य के नागरिकों को रोडवेज की सुरक्षित और आधुनिक सेवा उपलब्ध कराने को कटिबद्ध

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद ,उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने शुक्रवार को कहा कि राज्य के नागरिकों को परिवहन निगम की सुलक्षित और आधुनिक सुविधा उपलब्ध कराने का सरकार ने समयबद्ध आयोजन किया है। मौजूदा दौर में टेक्नोलोजी के माध्यम से रोडवेज की सुविधा समेत नई बसों द्वारा यात्रियों को परिवहन सेवाएं मुहैया कराई जारही है, जिसका अधिकतम नागरिक उपयोग कर रहे हैं। गांधीनगर जिले के दहेगाम में 6 करोड़ की लागत से बने राज्य परिवहन निगम के बस अड्डे का लोकार्पण करते हुए नितिन पटेल ने कहा कि राज्य के ज्यादातर नागरिक रोडवेज की बस सुविधा का उपयोग कर रहे हैं। दहेगाम बस अड्डे से प्रति दिन करीब 10 हजारसे अधिक नागरिक आवागमन करते हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार-व्यवसाय, सामाजिक समेत अन्य प्रसंगों में एक से दूसरे स्थल पर आने-जाने के लिए नागरिक रोडवेज की बस का उपयोग करते हैं। राज्यभर में नियमित 25 लाख लोग प्रति दिन रोडवेज बस सुविधा का उपयोग करते हैं। इतनी बड़ी संख्या में राज्य के नागरिक बस सुविधा का उपयोग करते होने से उन्हें उत्तम प्राथमिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार द्वारा अत्याधुनिक सुविधायुक्तबस स्टेशनों का निर्माण करवाया जा रहा है। आगामी पांच वर्ष में राज्य की सभी तहसीलों में बस अड्डों को सुविधायुक्त बनाने का राज्य सरकार ने आयोजन किया है। उन्होंने कहा कि राज्य के सीमावर्ती समेत कम आबादी वाले गांवों में रोडवेज की बस सेवा उपलब्ध है। इसके अलावा विद्यार्थी, दिव्यांग, स्वतंत्रता सेनानी, पत्रकार, पूर्व विधायक, सांसद और कैंसर पीड़ितों को राहत दर या मुफ्त यात्रा का लाभ मिल रहा है। नितिन पटेल ने कहा कि राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य की विकास यात्रा का प्रारंभ किया था,

पांच बिजली कंपनियों में 2600 से ज्यादा युवकों की नियुक्ति: ऊर्जा मंत्री

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,राज्य के ऊर्जा विभाग के अधीन पांच बिजली कंपनियों में 2365 जूनियर आसिस्टन्ट और 275 जूनियर इंजीनियर समेत 2600 से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति की दी गई है। ऊर्जा मंत्री सौरभ पटेल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि राज्य के शिक्षित युवाओं को सरकारी सेवा में जोड़कर रोजगार देने के दृढ़ निश्चिय के साथ राज्य सरकार आगे बढ़ रही है। इसके अंतर्गत ऊर्जा विभाग के अधीन पांच बिजली कंपनियों में 2600 से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति दी गई है। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि युवाओं को घर आंगन में ही रोजगार मिल जाए, इसके लिए मुख्यमंत्री विजय रूपाणी द्वारा वार्षिक भर्ती कैलेंडर बनाकर विभिन्न विभागों में भर्ती का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत डीजीवीसीएल, एमजीवीसीएल और जीसेक में ये नियुक्तियां दी गई हैं। राज्य की बिजली वितरण कंपनियों द्वारा दिसंबर 2020 औरजनवरी 2021 में ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन किया गया था। जिसका नतीजा 9 मार्च 2021 को घोषित कियाग गया था, जिसके आधार नई नियुक्तियां की गई हैं। जिसमें विद्युत सहायक जूनियर आसिस्टंट की जगह पर डीजीवीसीएल में 691, यूजीवीसीएल में 527, पीजीवीसीएल में 839, एमजीवीसीएल में 240 और जीसेक में 68 समेत कुल 2365 उम्मीदवारों को नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार विद्युत सहायक जूनियर इंजीनियर की जगर पर डीजीसीवीएल में 131, यूजीवीसीएल में 37 और जीसेक में 107 समेत कुल 275 उम्मीदवारों को नियुक्त किया गया गया है।

सूरत में मानसून के दौरान हमेशा महामारी का डर बना रहता है। इसके पीछे कुछ मुख्य कारण आवासीय क्षेत्रों में खाड़ी बाढ़ के दूषित पानी के प्रवेश के साथ-साथ प्री-मानसून

हाईकोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायधीश पर जूता फैंकने के आरोपी को डेढ़ साल की सजा

क्रांति समय दैनिक

गुजरात हाईकोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायधीश कल्पेश झवेरी पर जूता फैंकने के आरोपी को डिस्ट्रीक्ट कोर्ट ने डेढ साल की सजा का आदेश दिया है। यह घटना 11 अप्रैल 2012 की है,जो उस वक्त हुई थी जब सुनवाई में विलंब से गुस्साए आरोपी ने मुख्य न्यायधीश पर जूता फैंका था। राजकोट के गोंडल निवासी भवानीदास मायाराम बावाजी चाय की दुकान चलाकर परिवार का जीवनयापन करता है। नगर पालिका ने जब भवानीदास को चाय की दुकान चलाने की मंजूरी नहीं मिली तो उसे गोंडल के सत्र न्यायालय में गुहार लगाई। सत्र न्यायालय ने भवानीदास के पक्ष में सुनवाई की और उसकी चाय की दुकान फिर शुरूहो गई। लेकिन नगर पालिका ने गुजरात हाईकोर्ट में सत्र न्यायालय के फैसले को चुनौती दी। हाईकोर्ट के नगर पालिका के पक्ष में फैसला देने से भवानीदास की दुकान फिर बंद हो गई। दुकान बंद होने से भवानीदास के लिए अपनी और परिवार की गुजर बसर करना मुश्किल हो गया। इतना ही भवानीदास भीख मांगकर या लोगों से उधार पैसे लेकर हाईकोर्ट के चक्कर लगाता। इन सब मुश्किलों के बीच मामले की सुनवाई नहीं हो रही थी। जिससे आवेश में आकर भवानीदास ने 11 अप्रैल 2012 को गुजरात हाईकोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायधीश और उडीसा के पूर्व मुख्य न्यायधीश कल्पेश झवेरी पर जूता फैंका था।

सार-समाचार

पेट्रोल पंप पर अचानक भड़की आग से मची अफरातफरी, कोई जानहानि नहीं

भावनगर,शहर के भीडभंजन चौक के निकट पेट्रोल पंप में अचानक आग लगने से अफरातफरी मच गई। पेट्रोल भरवा रहे लोग अपने वाहन छोड़कर भागने लगे। खबर मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने पाउडर छिड़क आग पर काबू पा लिया। जानकारी के मुताबिक भावनगर में भीडभंजन चौक के निकट जिला पंचायत कचहरी के सामने सत्यनारायण पेट्रोल पंप है। जहां पंप के कर्मचारी वाहनों में पेट्रोल भर रहे थे। उस वक्त अचानक पेट्रोल पंप में अचानक आग भड़क उठी। आग लगते ही वहां मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई। पेट्रोल भरवाने आए लोग अपने वाहन छोड़कर भागने लगे। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और त्वरित कार्रवाई कर आग पर काबू पा लिया। लोगों की सतर्कता की वजह से कोई जानहानि नहीं हुई। आग लगने की वजह का पता नहीं चला है। माना जा रहा है कि शोर्ट सर्किट की वजह से पेट्रोल पंप में आग लगी।

पांच सरकारी जिला ग्रंथालयों को स्मार्ट लाइब्रेरी के तौर पर विकसित किया जाएगा

अहमदाबाद समेत प्रत्येक जिला ग्रंथालयों को 1-1 करोड़ आवंटित करेगी राज्य सरकार

अहमदाबाद,राज्य के पठन-पाठन और साहित्य प्रेमी युवाओं तथा विद्यार्थियों को समयानुकूल पठन एवं संदर्भ साहित्य के साथ पुस्तकालयों में अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पांच जिला ग्रंथालयों को स्मार्ट लाइब्रेरी के तौर पर विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने इस संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट, महेसाणा और जूनागढ़ समेत राज्य के पांच सरकारी जिला ग्रंथालयों को प्रत्येक के लिए 1 करोड़ रूपए के हिसाब से कुल 5 करोड़ रूपए की लागत से स्मार्ट लाइब्रेरी के तौर पर अद्यतन स्वरूप देने की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के इस निर्णय के अनुसार इन पांच ग्रंथालयों में पठन और अभ्यास के लिए आने वाले युवा और साहित्य प्रेमियों के लिए वाईफाई नेटवर्क, आरएफआईडी सिस्टम, कंप्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, ऑडियो विजुअल सिस्टम की सुविधा और सीसीटीवी कैमरा उपलब्ध कराया जाएगा। रूपाणी ने इन ग्रंथालयों में वर्तमान में उपलब्ध पठन सामग्री, पुस्तकें और संदर्भ ग्रंथ आदि के साथ ही समयानुरूप नई पठन सामग्री और संदर्भ साहित्य भी इन स्मार्ट लाइब्रेरियों में उपलब्ध कराने की व्यवस्थाओं के लिए स्वीकृति दी है। इतना ही नहीं, ऐसे ग्रंथालयों में पठन-अभ्यास के लिए आने वाले लोग-युवा विद्यार्थियों के लिए आधुनिक फर्नीचर, आर.ओ. प्लांट, फायर सिस्टम और रिफ्रेशमेंट जोन भी विकसित करने की सैद्धांतिक मंजूरी उन्होंने दी है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

वैक्सीन और वैक्सीनेशन के खिलाफ भय पैदा करने वाले सेहत के साथ-साथ देश के भी दुश्मन: नकवी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने उन लोगों पर हमला बोला है जो लोग वैक्सीन और वैक्सीनेशन के खिलाफ लोगों में भय का माहौल बना रहे हैं। मुख्तार अब्बास नकवी ने न्यूज एजेंसी से बातचीत में कहा कि वैक्सीन और वैक्सीनेशन को लेकर जो लोग भय का माहौल बना रहे हैं। वे लोगों की सेहत के दुश्मन तो है ही साथ में देश के भी दुश्मन है। वैक्सीन ही कोरोना के खात्मे की गारंटी है। आपको बता दें कि मुख्तार अब्बास नकवी ने रामपुर के चमरौआ में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए वैक्सीनेशन केंद्र का औपचारिक उद्घाटन किया। गौरतलब है कि देश में अब भी कोरोना वैक्सीन को लेकर अफवाहों का दौर लगातार जारी है। ऐसी कई खबरें लगातार आती है जिनसे यह पता चलता है कि लोग अब भी वैक्सीन लगवाने से डर रहे हैं।

भारत में फंसे विदेशी नागरिकों के वीजा 31 अगस्त तक वैध: गृह मंत्रालय

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने शुक्रवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण देश में फंसे विदेशी नागरिकों का भारतीय वीजा या ठहरने की अवधि 31 अगस्त तक वैध होगी। तदनुसार, इन विदेशी नागरिकों को अपने वीजा के विस्तार के लिए संबंधित एफआरआरओ/एफआरओ में कोई आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। एमएचए ने कहा कि मार्च 2020 से महामारी के कारण सामान्य वाणिज्यिक उड़ान संचालन के काम न करने के कारण, कई विदेशी नागरिक, जो वैध भारतीय वीजा पर मार्च 2020 से पहले भारत आए थे, भारत में फंस गए हैं। इन विदेशी नागरिकों को लॉकडाउन के कारण भारत में अपना वीजा बढ़ाने में आ रही कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 29 जून 2020 को एक आदेश जारी कर यह सूचित किया था कि इन विदेशी नागरिकों के 30 जून, 2020 के बाद समाप्त होने वाले भारतीय वीजा या देश में ठहरने की अवधि को सामान्य अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के फिर से शुरू होने की तारीख से लेकर अगले 30 और दिनों तक निःशुल्क आधार पर वैध माना जाएगा। हालांकि, ये विदेशी नागरिक अपने वीजा या देश में ठहरने की अवधि को बढ़ाने के लिए हर माह आवेदन करते रहे हैं। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सामान्य वाणिज्यिक उड़ानों का संचालन फिर से शुरू न हो पाने को ध्यान में रखते हुए इस मामले पर अब एमएचए द्वारा पुनर्विचार किया गया है और तदनुसार यह निर्णय लिया गया है कि भारत में फंसे इन विदेशी नागरिकों के भारतीय वीजा या देश में ठहरने की अवधि को अब 31 अगस्त 2021 तक बिना किसी ओवरस्टे पेनल्टी (निर्धारित अवधि से अधिक समय तक देश में ठहरने या रुकने पर जुमार्ना) के ही निःशुल्क आधार पर वैध माना जाएगा।

गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पर चप्पल फेंकने वाले दोषी को 18 महीने की कैद

अहमदाबाद। गुजरात के राजकोट जिले के चाय बेचने वाले एक व्यक्ति को यहां मजिस्ट्रेट अदालत ने न्यायाधीश पर चप्पलें फेंकने के अपराध में 18 महीने की सजा सुनाई। दोषी व्यक्ति ने उसके एक मामले में सुनवाई लंबित होने से नाराज होकर 2012 में उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश पर चप्पलें फेंक दी थी। मिर्जापुर ग्रामीण न्यायालय के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी वीए धधल ने बृहस्पतिवार को भवानीदास बावाजी को भादंस की धारा 353 के तहत दोषी ठहराया। पुलिस ने एक बयान में बताया कि बावाजी ने दावा किया था कि वह उसके मामले की सुनवाई लंबित होने से नाराज था और इसलिए ही हताश होकर उसने न्यायाधीश पर चप्पलें फेंक दी। यह देखते हुए कि न्यायाधीश पर चप्पल फेंकने का कृत्य '' अत्यंत निदंनीय'' है, मजिस्ट्रेट ने बावाजी को 'प्रोबेशन' के तहत राहत देने से इंकार कर दिया। इस प्रावधान के तहत दोषी के अच्छे आचरण को देखते हुए उसे रिहा कर दिया जाता है।

ऑक्सीजन की कमी के कारण हुई मौत की जांच के लिए समिति गठित की : सिसोदिया

नयी दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को कहा कि प्रदेश की सरकार ने यह पता लगाने के लिए चार सदस्यीय विशेषज्ञ समिति गठित की है कि क्या कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी के कारण मरीजों की मौत हुई और वह इसके लिए उपराज्यपाल की मंजूरी का इंतजार कर रही है। सिसोदिया ने ऑनलाइन ब्रीफिंग में कहा कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन संकट पैदा हो गया था और ऐसी खबरें हैं कि कुछ अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी के कारण मौत हुई थी।

मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में संक्रमण से मौत का आंकड़ा चौकाने वाला रहा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में मई माह में हुई मौतों का आंकड़ा चौकाने वाला है,वैसे तो जनवरी से लेकर मई तक में मौतों का सिलसिला जारी रहा। नगर निगम जन्म व मृत्यु पिछले पांच माह में 6,483 मौत हुई है इसमे अकेले मई माह में ही मौत का आंकड़ा 2200 के पार रहा है। ये कहना है नगर स्वास्थ्य अधिकारी एनपी सिंह का। आपको जानकर हैरानी होगी कि जनवरी से लेकर मई तक 6, 483 लोगों की मौत हुई है, वहीं सिर्फ मई माह में 2259 लोगों की मौत हुई है। जनवरी माह में 1232 लोगों की मौत हुई तो वहीं फरवरी महीने में ये आंकड़ा बढ़कर 1366 तक पहुंच गया।

बसपा में नहीं बन पा रही सेकंड लीडरशिप लाइन

लखनऊ। (एजेंसी)।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में सेकंड लीडरशिप लाइन के नेता एक-एक करके पार्टी छोड़ गये या तो उन्हें निकाल दिया गया। अब सिर्फ सतीश मिश्रा ही मायावती के बाद बड़े नेता बचे हैं। वह राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा के सदस्य हैं। उनका दखल राष्ट्रीय राजनीति में होता है। लेकिन बसपा में दूसरी लाइन की बड़ी जमात शुरू से ही नहीं बन पा रही है।

बसपा संस्थापक कांशीराम के मूवमेंट व उसके बाद जुड़े ज्यादातर नेता अब पार्टी में नहीं है। रामअचल राजभर और लालजी वर्मा के निष्कासन के साथ बसपा स्थपना से लेकर संघर्ष से जुड़े अधिकतर नेता बसपा से बाहर हैं। इनमें से कई नेता ऐसे थे जिनका प्रदेश स्तर पर अच्छा प्रभाव होता था। मायावती के बढ़ते प्रभाव के बाद एक-एक नेता बाहर हो गये हैं।

शुरूआत के दिनों से देखें तो राजबहादुर, आरके चौधरी, नसीमुद्दीन, स्वामी प्रसाद मौर्या, दद्दू प्रसाद, दीनानाथ भाष्कर, सोनेलाल पटेल, रामीवर उपाध्याय, जुगुल किशोर, ब्रजेश जयवीर सिंह,रामअचल राजभर, लालजी वर्मा, इन्द्रजीत सरोज जैसे कई नेताओं की लंबी सूची है जो कि बसपा में दूसरी लाइन के बड़े नेता हुआ करते थे। यह वह लोग है जो समाज में बसपा मूवमेंट को आगे बढ़ाने का काम करते थे। लेकिन आज यह लोग पार्टी में नहीं है और इनमें से कुछ दूसरी पार्टी में स्थापित होकर बडे पदों पर हैं।

वरिष्ठ राजनीतिक विष्लेषक रतनमणि लाल कहते हैं, बसपा जबसे बनी है, उसके एक साल बाद ही जिनको शुरूआत में मायावती ने सिपाहसलार बनाया था उसमें राजबहादुर और आरके चौधरी बहुत विश्वासपात्र थे। यह लोग बसपा मिशन को आगे बढ़ाने में लगे थे। लोग इनकी बात सुनते थे। यह लोग ऐसे थे जिन्होंने बसपा की जड़ो से लोगों को जोड़ा था। इनके हटते ही लोगों बड़ा झटका लगा था। इस पार्टी में जितने भी लोग ऊपर चढ़े है, उनको तुरंत पार्टी से बाहर किया जाता है। 2012 के पहले वाली सरकार के जितने मंत्री थे, वह बाहर हो गये। चाहे बाबू सिंह कुशवाहा हों चाहे नसीमुद्दीन सिद्दकी हों, स्वामी प्रसाद मौर्या हों। रामवीर उपाध्याय, ब्रजेष पाठक भी अब पार्टी में नहीं है। धीरे-धीरे ऊपर चढ़ने वालों को निकाल दिया जाता है। लालजी वर्मा और रामअचल राजभर तो कांशीराम के जमाने के हैं जिन्हें बाहर निकाल दिया गया है।

उन्होंने बताया कि इन सब की वजह से पार्टी जहां पहुंची है। कैडर भी जुड़ता है। जितने भी नेता हटाए गये होंगे उनके समर्थक भी तो नाराज हुए होंगे। इसके बाद पार्टी में बचता क्या है यह देखना होगा। मायावती की पार्टी में आज तक सेकंड पार्टी लाइन बन ही नहीं पा रही है। इस घटना के बाद बसपा को बड़ा नुकसान हो सकता है। मायावती के लिए अब निर्णायक मोड़ आ गया है। वह किसके दम पर पार्टी चलाएंगी। हो सकता है आने वाले समय में नए चेहरे को शामिल करें। नयी लीडरशिप पर भी मायावती की नजर होगी। जिसमें मुस्लिम की भूमिका के अलावा सवर्ण हों जिसमें सतीश मिश्रा की भूमिका हो। कुछ और जतियां जो कि सपा में असहज होने के कारण इनके साथ जुड़े। मायावती किसी नई जगह की तलाश कर रही हों।

वरिष्ठ राजनीतिक विष्लेषक पीएन द्विवेदी कहते हैं कि बसपा पार्टी ने चुनाव से ठीक पहले अपने दो बड़े सिपाहसलार निकालकर बड़ा जोखिम लिया है। उनके सामने इनके स्तर के नेताओं को तैयार करने की एक बड़ी चुनौती होगी। प्रदेश की राजनीति में अन्य पिछड़े और पिछड़े वर्ग को नए सिरे से नेतृत्व खड़ा करना होगा। हो सकता है मायावती विधानसभा चुनाव से पहले नई लीडरशिप डेवलप करने की सोच रही हो, इससे उनको कितना फायदा हो, यह सभी भविष्य के गर्त में है।

अमरिंदर ने की कांग्रेस कमेटी से मुलाकात, कहा- चुनावी तैयारियों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह शुक्रवार को यहां तीन सदस्यीय कांग्रेस पैनल के सामने पेश हुए, जिसे कथित तौर पर पार्टी आलाकमान ने अपनी राज्य इकाई में समस्याओं को सुलझाने के लिए बनाया था। ये बैठक तीन घंटे से अधिक समय तक चली।

पैनल का नेतृत्व राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया, जिसमें कांग्रेस के पंजाब प्रभारी हरीश रावत और पूर्व सांसद जेपी अग्रवाल भी शामिल रहे। पत्रकारों से बात करते हुए अमरिंदर सिंह ने कहा, बैठक अगले साल की शुरूआत में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए थी। ये हमारी पार्टी के भीतर की चर्चा है और मैं इन्हें आपके साथ साझा नहीं कर सकता। पंजाब कांग्रेस में दरार उस समय सामने आई जब राज्य के पूर्व कैबिनेट मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू ने परगट सिंह के साथ मुख्यमंत्री के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। सिद्धू के नेतृत्व वाले एक समूह ने राज्य नेतृत्व में जब बदलाव का सुझाव दिया था, उस वक्त अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) को पंजाब के नेताओं की शिकायतों को सुनने के लिए एक समिति गठित करने के लिए मजबूर होना पड़ा। हालांकि सूत्रों ने बताया कि अमरिंदर सिंह को रिप्लेस करने पर अभी कोई चर्चा नहीं हुई है।

सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस सिद्धू को शांत करना चाहती है और बिना किसी बड़े बदलाव के कुछ मामूली समायोजन करके उन्हें पाटी में बनाए रखना चाहती है। पैनल पहले ही कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ इस मुद्दे पर चर्चा कर चुका है, इसके अलावा पंजाब के पार्टी सांसदों और पूर्व राज्य इकाई प्रमुखों से भी मुलाकात कर चुका है।

पश्चिम बंगाल: नारद मामले में सीबीआई अदालत में पेश हुए ममता के खास चार आरोपी नेता

कोलकाता। (एजेंसी)।

नारद मामले में आरोपों का सामना कर रहे चार वरिष्ठ नेता शुक्रवार को कोलकाता में सीबीआई की विशेष अदालत के समक्ष उपस्थित हुए। न्यायाधीश अनुपम मुखर्जी ने 17 अप्रैल को चारों नेताओं को अंतरिम जमानत देते हुए उन्हें चार जून को अदालत में प्रत्यक्ष तौर पर उपस्थित होने का आदेश दिया था। राज्य के मंत्री सुब्रत मुखर्जी और फरहाद हकीम, तृणमूल विधायक मदन मित्रा एवं शहर के पूर्व महापौर शोभन चटर्जी न्यायाधीश के समक्ष उपस्थित हुए और कुछ देर बाद बैंकशैल अदालत परिसर से चले गये।

न्यायाधीश मुखर्जी ने कहा कि मामले में सुनवाई के लिए अगली तारीख दिन में बाद में तय की जायेगी। कलकत्ता उच्च न्यायालय की पांच न्यायाधीशों की पीठ ने 28 मई को चारों नेताओं को अंतरिम जमानत दे दी थी। उच्च न्यायालय के आदेश पर नारद स्टिंग मामले की जांच कर रही सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) ने इन नेताओं को 17 मई को गिरफ्तार किया था। सीबीआई की विशेष अदालत ने उसी दिन उन्हें जमानत दे दी थी लेकिन उच्च न्यायालय ने इस आदेश पर रोक लगा दी और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। निजाम पैलेस स्थित सीबीआई के कार्यालय के बाहर 2,000-3,000 लोगों की भीड़ के प्रदर्शन के चलते जांच एजेंसी द्वारा चारों आरोपी नेताओं को प्रत्यक्ष तौर पर अदालत में पेश करने में असमर्थता जताये जाने पर 17 मई को वे डिजिटल तरीके से सीबीआई की विशेष अदालत के समक्ष पेश हुए थे।

उसी दिन विशेष अदालत में चारों आरोपियों के खिलाफ विशेष अदालत में नारद स्टिंग मामले में आरोप पत्र भी दाखिल किया गया था। विशेष अदालत ने उन्हें अंतरिम जमानत देते हुए मामलें में अगली सुनवाई के लिए चार जून की तारीख तय की और उस दिन आरोपियों को पेश होने का आदेश दिया। उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा चारों नेताओं को अंतरिम जमानत देने के आदेश पर रोक के अपने पूर्व के आदेश में संशोधन करते हुए उन्हें 21 मई को नजरबंद करने का आदेश दिया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के न्यायाधीशों द्वारा चारों आरोपियों को अंतरिम जमानत देने पर मतभेद के बाद मामले को पांच न्यायाधीशों की एक वृहद पीठ के पास भेज दिया गया था।

देश में सुधर रहे हालात, रिकवरी दर बढ़कर 93.1 फ़ीसदी हुई: स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

देश में कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि पिछले 24 घंटे में कोरोना के 1,32,000 के करीब मामले आए हैं। पिछले 8 दिनों से कोरोना मामले 2 लाख से भी कम आ रहे हैं। मामलों में 68प्र की कमी आई है। 66प्र. मामले 5 राज्यों से आ रहे हैं। 33प्र. मामले 31 राज्यों से आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 100 से अधिक औसत दैनिक नए मामलों की रिपोर्ट करने वाले जिलों में लगातार कमी आई है; प्रतिदिन 100 से अधिक मामलों की रिपोर्ट करने वाले अभी 257 जिले हैं।

लव अग्रवाल ने आगे कहा कि रिकवरी दर में लगातार वृद्धि हुई है, वर्तमान में 93.1प्र. है। 377 जिले वर्तमान में 5त्न से कम नए मामले रिपोर्ट कर रहे हैं। यदि हम 7 मई के उच्चतम रिपोर्ट किए गए शिखर की तुलना में डेटा का विश्लेषण करते हैं, तो हम दैनिक मामलों में 68प्र. की गिरावट दर्ज कर रहे हैं। 66प्र. नए मामले 5 राज्यों से प्रभावी रूप से आ रहे हैं और बाकी के मामले 31 राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों से आ रहे हैं जो दर्शाता है कि हम स्थानीय स्तर पर वायरस को नियंत्रित करने में कामयाब हुए हैं। लव अग्रवाल ने कहा कि अब तक 22.41 करोड़ वैक्सीन की डोज़ दी जा चुकी हैं। जिसमें मुख्य रूप से स्वास्थ्यकर्मी, फ्रंट लाइन वर्कर्स और 45 साल से ज्यादा उम्र के लोग शामिल हैं। 18-45 आयु वर्ग के 2.43 करोड़ लोगों को वैक्सीन की डोज़ दी गई हैं। नीति आयोग के डॉ. वीके पॉल ने कहा कि आवर वर्ल्ड इन डेटा के अनुसार, भारत में वैक्सीन की कम से कम एक खुराक पाने वालों की संख्या 17.2 करोड़ है। वैक्सीन की पहली खुराक पाने वाले लोगों की संख्या के मामले में हम अमेरिका से आगे निकल गए हैं।

कांग्रेस की समिति से तीन घंटे तक चली अमरिंदर की मुलाकात, सोनिया को जल्द सौंपी जाएगी रिपोर्ट

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह कांग्रेस की प्रदेश इकाई में चल रही कलह को दूर करने के मकसद से गठित समिति के समक्ष शुक्रवार को पहुंचे और यह मुलाकात करीब तीन घंटे तक चली। बैठक के बाद अमरिंदर सिंह ने इस इस मुलाकात का ब्यौरा देने से इनकार किया, हालांकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को मिलकर जीतना है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि अमरिंदर सिंह से इस मुलाकात के साथ ही समिति की संवाद करने की कवायद पूरी हो गई। अब वह जल्द ही आलाकमान को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। समिति की इस पूरी कवायद से अवगत एक सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''समिति की शुक्रवार को मुख्यमंत्री के साथ मुलाकात के बाद संवाद की प्रक्रिया पूरी हो गई। इसके बाद समिति जल्द ही कांग्रेस आलाकमान को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।' राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता वाली समिति ने पिछले चार दिनों में, कांग्रेस के पंजाब से ताल्लुक रखने वाले 100 से अधिक नेताओं से उनकी राय ली है। इनमें अधिकतर विधायक हैं। खड़गे के अलावा कांग्रेस महासचिव और पंजाब प्रभारी हरीश रावत तथा दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जेपी अग्रवाल इस समिति में शामिल हैं। गौरतलब है कि हाल के कुछ सप्ताह में मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह और पार्टी नेता नवजोत सिंह सिद्धू के बीच तीखी बयानबाजी देखने को मिली है।

फडणवीस का महाराष्ट्र सरकार पर तंज, एमवीए में कई सुपर मुख्यमंत्री हैं

नागपुर। (एजेंसी)।

भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार और उसके मंत्रियों पर तंज कसते हुए कहा कि राज्य में सिर्फ एक मुख्यमंत्री हैं और कई ''सुपर मुख्यमंत्री'' हैं जो अपने स्तर पर अहम नीतिगत फैसलों के बारे में घोषणाएं करते हैं। उन्होंने कहा कि कई मंत्री खुद को मुख्यमंत्री समझते हैं और ऐसी घोषणाएं कर श्रेय लेने की कोशिश करते हैं। फडणवीस ने महाराष्ट्र में मंत्री विजय वडेट्टीवार की घोषणा के उलट बृहस्पतिवार शाम राज्य में कहीं भी लॉकडाउन जैसी पाबंदी नहीं हटाने के संबंध में महाराष्ट्र सरकार के स्पष्टीकरण को लेकर सवाल पूछे जाने पर यह बात कही। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''इस सरकार में एक मुख्यमंत्री है और कई सुपर मुख्यमंत्री हैं। कई मंत्री खुद को मुख्यमंत्री समझते हैं और ऐसी घोषणाएं करते हैं।''

उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार में एक मुख्यमंत्री नीतिगत फैसले लेता है या अहम मुद्दे पर बोलने के लिए किसी मंत्री को चुनता है। इस सरकार में मुख्यमंत्री के बयान जारी करने से पहले ही कई मंत्री बोलने लगते हैं। यह ऐसी घोषणाओं के जरिये श्रेय लेने का प्रयास है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''सिर्फ इसी वजह से कल अनलॉक की घोषणा के कारण अफरा-तफरी मची और ऐसा पहले भी हो चुका है।'' विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि बड़े नीतिगत फैसलों पर सरकार का बयान लोगों तक स्पष्ट रूप से पहुंचना चाहिए। आपदा प्रबंधन मंत्री वडेट्टीवार ने बृहस्पतिवार दोपहर पत्रकारों से कहा था कि शुक्रवार को राज्य के 36 में से 18 ऐसे जिलों में पाबंदियों में ढील दी जाएगी जहां संक्रमण की दर पांच प्रतिशत अथवा उससे कम है और अस्पतालों में ऑक्सीजन की सुविधा वाले 75 प्रतिशत बिस्तर खाली हों। मुंबई में राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक के बाद उन्होंने संवाददाता सम्मेलन किया था। हालांकि इसके कुछ देर बाद मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने बयान जारी कर कहा कि कहीं भी मौजूदा पाबंदी नहीं हटायी गयी है और विभिन्न क्षेत्रों में पाबंदियों में ढील देने पर विचार किया जा रहा है, लेकिन इस बारे में अब तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। इसके बाद वडेट्टीवार ने कहा कि पाबंदियों को चरणबद्ध तरीके से हटाने को मंजूरी प्रदान कर दी गयी है, लेकिन अब तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

ब्लैक फंगस के बढ़ते खतरे पर बोले गहलोत, कहा-इलाज के लिए टीके समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराए केंद्र सरकार

जयपुर। (एजेंसी)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने म्यूकर माइकोसिस (ब्लैक फंगस) के इलाज में इस्तेमाल होने वाले टीके एम्फोटेरिसिन को राज्यों को समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने की अपील केंद्र सरकार से की है। गहलोत ने शुक्रवार को ट्वीट किया, ''जिस प्रकार पहले रेमडेसिविर इंजेक्शन का राज्यों को आवंटन का जिम्मा केन्द्र सरकार ने अपने हाथों में लिया था वैसे ही अब ब्लैक फंगस के इंजेक्शन एम्फोटेरिसिन का आवंटन भी केन्द्र सरकार कर रही है। राज्यों को समय पर इंजेक्शन नहीं मिल पा रहा है जिससे मरीजों को बहुत परेशानी हो रही है।''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन को टैग करते हुए गहलोत ने लिखा ,'' यदि समय रहते यह इंजेक्शन मरीज को मिल जाए तो जान बचाई जा सकती है। मैं प्रधानमंत्री व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से अपील करता हूं कि समयबद्ध तरीके से एम्फोटेरिसिन इंजेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करवाएं जिससे मरीजों का समय पर इलाज हो सकेगा एवं उनकी जान बचाई जा सकेगी।''उल्लेखनीय है कि राजस्थान में ब्लैक फंगस के अनेक मामले सामने आए हैं।

2022 के यूपी चुनावों के लिए हिंदुत्व, राष्ट्रीय गौरव, विकास के मुद्दे पर निर्भर भाजपा

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनावों की उलटी गिनती शुरू होते ही सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपना रोडमैप तैयार कर लिया है। चुनाव के लिए अभी छह महीने से अधिक का समय है। पार्टी दूसरी कोविड लहर के कम होने का इंतजार करेगी और फिर धीरे-धीरे राम मंदिर जैसे भावनात्मक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगी। अयोध्या में राम मंदिर को भाजपा और योगी आदित्यनाथ की पवित्र शहर के लिए विशाल विकास योजना की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक के रूप में पेश किया जाएगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार, भाजपा कार्यकर्ता अयोध्या तो सिर्फ झांकी है, काशी, मथुरा बाकी है के नारे का राग लगाएंगे। भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, काशी में स्थानीय अदालत ने पहले ही खुदाई की अनुमति दे दी है। भले ही वह कानूनी चक्रव्यूह में बंधा हो, महत्वाकांक्षी काशी विश्वनाथ कॉरिडोर परियोजना नवंबर 2021 तक तैयार हो जाएगी और यह दुनिया भर के हिंदुओं के लिए एक प्रमुख आकर्षण होगा। मंदिर परिसर की भव्यता महामारी की सभी दुखद यादों को मिटा देगी। भाजपा कार्यकर्ताओं को पार्टी के सेवा ही संगठन अभियान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा गया है, जिसे महामारी के पीड़ितों की सेवा करने और योगी सरकार पर विपक्ष के हमले को रोकने के लिये किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष और पार्टी उपाध्यक्ष राधा मोहन सिंह ने बैठकों के दौरान कार्यकर्ताओं को जुटाने और उनकी शिकायतों के निवारण पर जोर दिया है। पार्टी के कार्यकर्ताओं की भावनाओं को शांत करने के लिए एक बड़े कार्यक्रम की भी योजना बना रही है, जो अलग-थलग महसूस कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी की हिंदुत्व कार्ड छोड़ने की कोई योजना नहीं है। पार्टी पदाधिकारी ने कहा, योगी आदित्यनाथ ने अपने शासन के दौरान हिंदुत्व को जीवंत रखा है। उन्होंने धार्मिक कारकों को ध्यान में रखते हुए विकास को बढ़ावा दिया है और निस्संदेह हिंदुत्व के मशाल वाहक के रूप में उभरे हैं। पार्टी इसका फायदा उठाएगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)